डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/4-233/2020-22

इंद्रप्रस्थ पृथ्विजय प्रकाशन

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

सर्वाधिक चर्चित अखबार

न दबाव, न भेदभाव

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रायपुर और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-30 अंक- 273 www rashtriyahindimail.in भोपाल, मंगलवार 28 जुलाई 2026, आषाढ़ शुक्ल 14 (2082) पृष्ठ-8 मूल्य पांच रुपए

न्यूज ब्रीफ

अवैध पटाखा कारखाने में विस्फोट पांच की मौत

विरुधुनगर एजेंसी। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में शिवकाशी के पास संचालित एक कथित अवैध पटाखा निर्माण इकाई में हुए भीषण विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। सोमवार सुबह इलाज के दौरान गंभीर रूप से झुलसे एक और श्रमिक ने दम तोड़ दिया हादसा विरुधुनगर जिले के चेंगमालापट्टी क्षेत्र में टिन की छत वाले एक ढांचे में हुआ, जहां कथित तौर पर अवैध रूप से पटाखों का निर्माण किया जा रहा था। विस्फोट इतना तेज था कि मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई और पूरी इकाई आग की चपेट में आ गई।

पैलेट गन विवाद : 7 राउंड फायर करने वाले जवान की हुई पहचान

नई दिल्ली एजेंसी। नीट-यूजी परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के विरोध में बीती 20 जुलाई को छात्रों के संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पैलेटगन इस्तेमाल के मामले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की आंतरिक जांच में उस रैपिड एक्शन फोर्स जवान की पहचान कर ली गई है, जिसने प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन से फायरिंग की थी। जांच में सामने आया है कि संबंधित जवान ने कुल सात राउंड फायर किए थे। इनमें से पांच राउंड प्रदर्शनकारियों को लगे, जबकि दो राउंड जमीन पर दागे गए। पूरी फायरिंग कनॉट प्लेस क्षेत्र में हुई थी। जांच टीम अब यह भी पता लगा रही है कि किन परिस्थितियों में पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया और किस स्तर पर इसकी अनुमति दी गई थी। जल्द ही रिपोर्ट सरकार को सौंपे जाने की संभावना है।

पेपरलीक रोकने कड़ा विधेयक पेश

लाठीचार्ज पर संसद में हंगामे के बाद बनी चर्चा पर सहमति

छात्रों पर पुलिस की सख्ती से सुप्रीम कोर्ट नाखुश, सीजेपी ने फिर दी आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार का पेपरलीक व परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने वाला पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, आज संसद में पेश हो गया। इस पर आज चर्चा होगी लेकिन यह चर्चा काफी हंगामेदार होने के आसार हैं। इससे पहले कड़े प्रावधानों वाला यह विधेयक संसद में पेश हुआ लेकिन कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियां इस पर हंगामा करते रहे,इनकी मांग थी कि दिल्ली में लाठीचार्ज की घटना पर पहले संसद में बहस की जाए। इसे लेकर कार्यवाही में गतिरोध बना रहा। इसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने पार्टियों के नेताओं से बातचीत की और सरकार व विपक्ष दोनों ही 28 जुलाई को बिल पर चर्चा करने और वोटिंग के लिए तैयार हो गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार दोपहर 12 बजे से बिल पर चर्चा शुरू हो सकती है। संसद में बिल पेश होते ही कल विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह से सदन में आकर बयान देने की मांग उठा दी , इस वजह से लोकसभा की कार्यवाही दिन में 4 बार स्थगित हुई। जब भी कार्यवाही शुरू हुई, कांग्रेस, सपा के सांसद वेल में बैनर लेकर पहुंच जाते और नारेबाजी करने लगते थे।

छात्रों की गिरफ्तारी पर भड़की सीजेपी: वही छात्रों के संगठन सीजेपी ने फिर सरकार को चेतावनी दी कि प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई नहीं रुकी और गिरफ्तार छात्रों को राहत नहीं मिली, तो वह फिर से आंदोलन शुरू करेगी। पार्टी प्रवक्ता सौरव दास ने आरोप लगाया कि सरकार ने समझौता तोड़ा है तथा बिहार और पश्चिम बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार कर झूठे मुकदमों में फंसाया गया है। खास बात यह है कि सीजेपी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में आशुतोष रांका, सौरव दास के साथ एडवोकेट कपिल सिब्बल भी मौजूद थे। उन्होंने कहा- मेरा रोल इस पार्टी के कानूनी मसलों में मदद करना है। इस बीच सीजेपी ने पोर्टल लॉन्च किया है, जिसके जरिए पीड़ित छात्र अपनी परेशानी शेयर कर सकते हैं। गौरतलब है कि सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने एक्स पर लिखा है कि असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में छात्रों और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया जा रहा है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पार्टी का कहना है कि उसने देशव्यापी आंदोलन केंद्र सरकार के इस आश्वासन पर स्थगित किया था कि किसी भी प्रदर्शनकारी पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। उधर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांग्चुक को सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। लद्दाख रवाना होने से पहले वे महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने राजघाट गए।

प्रदर्शन संवैधानिक अधिकार: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कल कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई में यह बात कही। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस मोहना की बेंच ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना भी चिंता की बात है। इधर, राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा ने भी सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले पर याचिका लगाई है। अब कोर्ट आज मंगलवार को सभी याचिकाओं पर एकसाथ सुनवाई करेगा।

फास्ट ट्रेक कोर्ट में पहले दिन सुनवाई टली

उधर नीट पेपरलीक मामले में राउज एवेन्यू की स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट में सोमवार को पहले ही दिन सुनवाई टल गई। सुनवाई के दौरान सीआईआई की ओर से कोई सरकारी वकील मौजूद नहीं था। इसके बाद कोर्ट ने डायरेक्टर ऑफ प्रॉसिक्यूशन को सीबीआई का पक्ष रखने के लिए सरकारी वकील नियुक्त करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने आरोपी दिनेश बिवाल और विकास बिवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई 3 अगस्त तक टाल दी। यह पब्लिक एग्जामिनेशन एक्ट, 2024 के तहत बनी स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट में इस मामले की पहली सुनवाई थी। अब पेपर लीक से जुड़े सभी मामलों की सुनवाई इसी कोर्ट में होगी।

राजनीतिक डायरी : आशीष दुबे

दतिया-दंगल में असल पहलवान कौन, दोनों तरफ से दांवपेंच का दौर

मध्यप्रदेश की तमाम सियासी शख्सियतों की जोर-आजमाइश का अखाड़ा दो दिन से दतिया बना हुआ है। यहां का चुनावी दंगल बेहद दिलचस्प हो गया है। हालांकि दंगल में जीतता तो एक ही पहलवान है लेकिन हारने वाले पहलवान का दमखम और दांवपेंच भी याद रखे जाते हैं। यही वजह है कि दतिया में भाजपा के आशुतोष तिवारी और कांग्रेस के घनश्याम सिंह के बीच मुकाबला उनके पीछे खड़े 'पहलवानों'के चलते ज्यादा कांटे का हो गया है। दतिया उपचुनाव के लिए नामांकन के बाद के पंद्रह दिन के बजाए पिछले दो-तीन दिन गहरे अर्थ समेटे हुए हैं। दोनों तरफ की बेचैनी और कश्मकश साबित कर रही है कि मुकाबला न सिर्फ टफ् है,अपितु मुकाबले की खास बात यह है कि दोनों ही प्रमुख उम्मीदवारों से ज्यादा यह उनके दलों के शीर्ष नेताओं की प्रतिष्ठा से सीधा जुड़ गया है।

दरअसल, भाजपा और कांग्रेस ने उम्मीदवारों को लेकर प्रयोग किया है, यह सियासी तौर पर 'जोखिम'ही कहा जा रहा है! भाजपा ने नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष को मैदान में उतारा तो कांग्रेस ने अवधेश नायक के स्वाभाविक दावे के बावजूद घनश्याम सिंह को टिकट दिया। संयोग से दोनों ही दतिया के नहीं माने जा रहे हैं। मूलनिवासी तो नरोत्तम भी नहीं थे, लेकिन उन्हें दतिया ने बसा लिया था ,लेकिन शुरुआत में भाजपा कार्यकर्ताओं के 'शोर - उत्पात' व अब दतिया के मतदाता की चुप्पी दोनों दलों के लिए रहस्यमयी है, यह बात दोनों दलों के उच्चपदस्थ नेता भी दबी जुबान मान रहे हैं, उनका कहना है कि इसी वजह से ताकत ज्यादा झोंकी जा रही है।

गौरतलब है कि दतिया के मतदाताओं ने ढाई साल पहले नरोत्तम मिश्रा का तिलिस्म तोड़कर बुरी तरह चौंकाया भी था, लिहाजा इस अर्से में मतदाता का माइंडसेट कितना बदला है, यह बात समझने में दोनों दल पूरे समय जुटे रहे। अब आज शाम दतिया में चुनाव प्रचार खत्म हो रहा है,इसके बाद के 36 घंटे दोनों दलों के असली मैनेजमेंट'के होंगे। दतिया में जातीय समीकरण बहुत मायने रखते हैं इसलिए भाजपा ब्राह्मण, अहिरवार-जाटव, ओबीसी पर पूरा फोकस रखे है, कांग्रेस पिछले चुनाव के वोट बैंक को सहेजने के लिए अवधेश नायक व राजेंद्र भारती पर काफी हद तक निर्भर रही है, हालांकि उसने भी तमाम वर्गों के अपने नेताओं को समीकरण साधने के लिए पंद्रह दिन से तैनात कर रखा है। दतिया में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ नरोत्तम की भूमिका नतीजे में नजर आएगी तो कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह समेत दर्जनभर खास नेताओं की भूमिका का भी आकलन चुनाव बाद होगा। कल शाम डा यादव ने यहां बड़ा रोड-शो करके भाजपा काडर को चार्ज किया है तो कांग्रेस के तमाम नेता आज शाम चुनाव प्रचार थमने के पहले रोड-शो करने वाले हैं। बहरहाल, दतिया का अखाड़ा तो सज चुका है,दंगल (मतदान) 30 जुलाई को होगा और विजेता पहलवान का ऐलान (काउंटिंग) 3 अगस्त को...।

बलराम कृषि महोत्सव : मुख्यमंत्री की कई घोषणाएं

किसानों के खाते में 3300 करोड़ रुपए खंडवा में स्थापित होगी पुलिस बटालियन

खंडवा, आरएचएम। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कल खंडवा में बलराम कृषि महोत्सव में प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात देते हुए किसान कल्याण योजना के तहत 82.70 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 3300 करोड़ से अधिक की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। किसानों को वर्ष 2025-26 की तीसरी और 2026-27 की पहली किस्त के रूप में 4000 रु की राशि प्राप्त हुई। मुख्यमंत्री ने जैविक एवं हाईटेक खेती, खाद्य प्रसंस्करण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों, मेधावी विद्यार्थियों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को सम्मानित किया। उन्होंने खंडवा में पुलिस बटालियन स्थापित करने की घोषणा करते हुए कहा कि खंडवा-बूंदी मार्ग के लिए 15 सितंबर से पहले टेंडर जारी कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए लगातार बड़े निर्णय ले रही हैं, सरकार किसानों के सम्मान तथा समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है, जिसके तहत प्रदेशभर में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार कार्य किए गए हैं। वर्ष 2002-03 से पहले जहां सिंचाई का रकबा 44 लाख हेक्टेयर था, वहीं अब यह बढ़कर 65 लाख हेक्टेयर हो गया है। अब ड्रोन के माध्यम से खाद और बीज का छिड़काव भी किया जा रहा है। इसी वर्षा ऋतु के बाद किसानों को दिन में सिंचाई के लिए बिजली उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान कल्याण के साथ प्रदेश की महिलाओं और आम नागरिकों के लिए भी कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। अगले महीने से प्रदेश में सरकारी रोडवेज बस सेवा शुरू की जाएगी। गरीबों के उपचार के लिए एयर एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है तथा ओंकारेश्वर धाम और सिंहस्थ-2028 से जुड़े विकास कार्यों पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का भी उल्लेख किया व कहा कि यूसीसी पर सर्वे के लिए साढ़े तीन करोड़ से अधिक लोगों को एसएमएस भेजे गए, 10 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए और सर्वे में 76 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम महिलाओं ने यूसीसी लागू करने का समर्थन किया।

भोपाल को आज मिलेगा चौथा रेलवे स्टेशन निशातपुरा

भोपाल आरएचएम। राजधानी के चौथे रेलवे स्टेशन निशातपुरा की शुरुआत आज 28 जुलाई से हो रही है। शाम पांच बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मालवा एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। यहां पर मालवा के अलावा सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस का स्टॉपेज भी रहेगा। सोमवार को मंत्री विश्वास सारंग तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे। इस नये स्टेशन से इंदौर की तरफ जाने वाली ट्रेन निशातपुरा से शुरू होंगी। इसके बाद यह स्टेशन भी ऑपरेशनल हो जाएगा। वर्तमान में भोपाल, रानी कमलापति और संत हिरदाराम (बैरागढ़) रेलवे स्टेशन है। निशातपुरा स्टेशन करीब तीन साल पहले बनकर तैयार हुआ था। यह भोपाल का चौथा रेलवे स्टेशन बन जाएगा और यहां से नियमित यात्री सेवाएं शुरू हो जाएंगी।

नया अभियान : अब आरक्षण के खिलाफ सामने आए 46 लाख !

नई दिल्ली एजेंसी। सीजेपी के नेतृत्व में करीब 37 दिन चले छात्र आंदोलन के खत्म होने के बाद अब सोशल मीडिया पर एक नया अभियान तेजी से उभरा है। रिजर्वेशन हटाओ आंदोलन (आरएचए) नाम का एक समूह महज पांच दिनों में इंस्टाग्राम पर 46 लाख फॉलोअर्स तक पहुंचने का दावा कर रहा है। यह अभियान खुद को नागरिकों द्वारा चलाया गया बताया जा रहा है और दावा है कि इसका किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है। यह पूरा अभियान सोशल मीडिया के जरिए आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की मांग को लेकर चलाया जा रहा है और इसी वजह से चर्चा में है। इस समूह का इंस्टाग्राम अकाउंट reservationhataomovement नाम से चल रहा है। इसमें 109 पोस्ट हैं। प्रोफाइल में लिखा है कि यह उन नागरिकों का अभियान है, जो मानते हैं कि सुधार की आवाज उठनी चाहिए। गौरतलब है कि दो दिन पहले ई-20 जनता पार्टी भी सोशल मीडिया पर सामने आई थी जो पेट्रोल में एथेनाल मिलाने के विरोध में बनाई बताई गई थी।

केन-बेतवा प्रोजेक्ट के विरोध के बीच अब राहुल की एंट्री

भोपाल/नई दिल्ली। मध्यप्रदेश की केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवारों के विरोध प्रदर्शन के बीच अब आंदोलन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की एंट्री भी हो गई है। उन्होंन मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला व आरोप लगाया कि अपनी जमीन, उचित मुआवजे और सम्मानजनक पुनर्वास की मांग को लेकर जल सत्याग्रह और भूख हड़ताल कर रहे आदिवासियों की आवाज सुनने के बजाय सरकार पुलिस बल के जरिए उनके शांतिपूर्ण आंदोलन को दबा रही है। राहुल ने 'एक्स' पर लिखा- 'मोदी सरकार सच और अहिंसक प्रतिरोध, दोनों से डरती है। केन-बेतवा परियोजना के लिए आदिवासियों की जमीन तो ले ली गई, लेकिन उन्हें न तो उचित मुआवजा मिला और न ही सम्मानजनक पुनर्वास, अब कांग्रेस आदिवासियों के साथ मजबूती से खड़ी है। ज्ञात हो कि बीते दिनों प्रशासन ने लगातार बारिश और आंदोलनकारियों की बिगड़ती तबीयत को देखते हुए 20 जुलाई को सुरक्षा के मद्देनजर पानी में खड़े रहकर आंदोलन कर रहे लोगों को हटाया था। प्रोजेक्ट में छतरपुर जिले के 24 गांव प्रभावित हो रहे हैं। इनमें आठ गांव डूब क्षेत्र में आएंगे, जबकि 16 गांव पन्ना टाइगर रिजर्व के दायरे में शामिल किए जाएंगे।

विजय शाह मामला: 7 को सुप्रीम कोर्ट में पेश होगी कंप्लायंस रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी/आरएचएम। मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह के विवादित बयान से जुड़े मामले में राज्य सरकार की चुप्पी अब सुप्रीम कोर्ट की अगली सुनवाई से पहले सवालों के घेरे में है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना की एक महिला अधिकारी को लेकर दिए गए बयान के बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) अपनी रिपोर्ट पिछले वर्ष अगस्त में अदालत के समक्ष प्रस्तुत कर चुका है। अगले महीने इस रिपोर्ट को पेश हुए एक वर्ष पूरा हो जाएगा, लेकिन राज्य सरकार अब तक अदालत में कंप्लायंस रिपोर्ट दाखिल नहीं कर सकी है। पहले 24 जुलाई को सुनवाई थी, लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया। अब अगस्त को सुनवाई नियत है अब सुनवाई से पहले सरकार को अपना पक्ष और अनुपालन रिपोर्ट अदालत के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। गौरतलब है कि 8 मई 2026 को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कंप्लायंस रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं किए जाने पर राज्य सरकार के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त की थी।

बड़े-बड़े लोगों की बातें

विभाग को समझते थे अपनी जागीर पलक झपकते ही हटाए गए प्रमुख सचिव

मध्यप्रदेश में आज भी अकर्मण्य एवं डींगबाज किस्म के कुछ नौकरशाहों की कमी नहीं है। अकर्मण्यता और डींगबाजी जब सिर चढ़ कर बोलती है और इसकी खबर मिलते ही प्रदेश के मुख्यमंत्री अथवा मुख्यसचिव जब असहज हो जाते हैं तब उन्हें अकर्मण्य नौकरशाह के बारे में तत्काल निर्णय लेकर सारे भ्रम तोड़ने पड़ते हैं। सूत्रों के अनुसार मप्र में एक प्रमुख सचिव ऐसे नौकरशाह निकले जिन्होंने मुख्यमंत्री के सारे फैसलों का क्रेडिट अपने ही सिर पर ले लिया। फैसले से प्रभावित अथवा लाभांवित जितने भी लोग उपरोक्त प्रमुख सचिव से मिलते थे तब उन्हें यही कहा जाता था कि, इसमें किसी का कोई हाथ नहीं है, जो कुछ हुआ है या जिससे आपको फायदा मिला है वह सिर्फ इसी प्रमुखसचिव की वजह से। और तो और जब तक वे इस विभाग के प्रमुख सचिव रहे मुख्यमंत्री की सदाशयता और उदारता से देश-विदेश के जितने लोग मप्र में आए सबसे यही कहा गया कि, जो कुछ हुआ है उससे आप संतुष्ट रहिए। मुख्यमंत्री को आगे कोई काम के लिए मिलने भी जरूरत नहीं है। आश्चर्य एवं चौकाने वाला वाक्या तो यह है कि, मुख्यमंत्री डॉ. यादव की नीतियों के आकर्षण से बड़े-बड़े पूंजीनिवेशकों का जिस रफ्तार से मप्र में प्रवेश हुआ रोजगार और व्यापार के सैकड़ों अवसर निर्मित हुए, उसकी भी पटकथा का श्रेय मुख्यमंत्री से ज्यादा उपरोक्त प्रमुख सचिव ने लूटा। लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. यादव और वर्तमान मुख्यसचिव अशोक बर्णवाल को उपरोक्त पटकथा की खबर उनके कानों तक पहुंची तो चारों कान खड़े हो गए। फिर होना क्या था सारे भ्रम टूट गए, साहब को मिला वनवास। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त वाक्या उद्योग विभाग में प्रमुख सचिव रह चुके वरिष्ठ नौकरशाह राघवेन्द्र सिंह को लेकर नहीं लिखा गया है, लेकिन मुख्यमंत्री और मुख्यसचिव के उपरोक्त फैसले से विभाग में ऐसा हड़कंप मचा है कि बचे हुए सभी नौकरशाह फूंक-फूंक कर कदम रखने लगे...। **खबरची**

मंच पंडाल के फिजूलखर्चों से बचने की तैयारी, कलेक्टरों की बढ़ेगी जिम्मेदारी

दतिया चुनाव के बाद हर जिले में औचक निरीक्षण, स्थल पर ही निर्णय

सीएमओ-सीएसओ के समन्वय से तैयार मुख्यमंत्री की नई कार्यप्रणाली

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी कार्यप्रणाली को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप ढालने का फैसला कर लिया है। उपरोक्त फैसले के अंतर्गत अब मुख्यमंत्री के लिए जिलों में करोड़ों की फिजूलखर्ची से बड़े-बड़े पंडाल, टेंट और बड़ी-बड़ी आम सभाएं आयोजित नहीं होंगी, और होंगी तब प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति जैसे देश के सर्वोच्च हस्तियों के सम्मान में ही मप्र सरकार को इस तरह का आयोजन सुरक्षा के दृष्टिकोण से करना आवश्यक होगा। समझा जाता है कि, मुख्यमंत्री की नई कार्यप्रणाली का अवतरण दतिया विधानसभा उपचुनाव के बाद से प्रारंभ हो जाएगा। नई कार्यप्रणाली को जनता के हित में डिजाइन करने का काम मुख्यसचिव अशोक बर्णवाल तथा मुख्यमंत्री सचिवालय में पदस्थ अतिरिक्त मुख्यसचिव नीरज मंडलोई दोनों ने मिलकर अंतिम रूप दे दिया है। सूत्रों के अनुसार अब मुख्यमंत्री डॉ. यादव मप्र में बने आज तक के मुख्यमंत्रियों की कार्यप्रणाली से अलग अपनी नई कार्यप्रणाली को नवाचार के रूप में स्थापित करने जा रहे हैं। उनकी यह शुरुआत यदि दतिया विस उपचुनाव के बाद से ही प्रारंभ हो जाए तो आश्चर्यजनक कुछ भी नहीं होगा। मुख्यमंत्री सचिवालय एवं मुख्यसचिव सचिवालय दोनों के समन्वय से जो कार्ययोजना मुख्यमंत्री के लिए तैयार हुई है उसके अंतर्गत अब मुख्यमंत्री सभी जिलों में अचानक बिना सूचना के दौरे कर सकते हैं और जन शिकायतों के निराकरण के लिए स्थल पर ही जिले के सभी विभागों के अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों को वहां पर उपस्थित रहने को कहा जाएगा। निरीक्षण स्थल पर ही शिकायतों का निराकरण होगा और आम जनता के साथ त्वरित न्याय की व्यवस्था की जाएगी। बताया जाता है कि, किसी जमाने में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ग्राम संपर्क एवं जिला सरकार की अवधारणा पर काम किया था, उसका उन्हें राजनीतिक फायदा तो मिला पर सरकार चली गई, इसके पीछे कहानी यह थी कि, मुख्यमंत्री को सस्ती लोकप्रियता त्वरित उपलब्ध तो हो जाती थी लेकिन आम जनता को साथ न्याय में विलंब होता था तब तक उनकी इस अवधारणा का मतलब समाप्त भी हो जाता था। लेकिन अब मोहन सरकार ने जिस कार्यप्रणाली को अंजाम दिया जाने वाला है उससे यह लिखने में संकोच नहीं है कि, मुख्यमंत्री डॉ. यादव अब केवल हेलीकाप्टर वाले नेता नहीं कहलाएंगे, आए और चले गए। अब वे मॉस लीडर बनने की प्रक्रिया में पहली बार शामिल होंगे इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता क्योंकि, जिन जिलों में जाएंगे वहां पर भाजपा के साधारण कार्यकर्ता से लेकर आम जनता की पीड़ाओं को समझने की कोशिश करेंगे और उन्हें व्यक्तिगत नामों से भी जानने लगेंगे। सूत्रों का दावा है कि, मुख्यमंत्री के इस नए अवतार में सबसे ज्यादा असर जिलों में कलेक्टर संस्थानों पर होगा। यूं कहा जाए कि, सभी जिलों में कलेक्टर की जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व बढ़ जाएगा। मतलब स्पष्ट है कि ऐसा करते हुए मुख्यमंत्री के पास बचे हुए ढाई साल में वे एक-एक करके हर जिले में 2-3 बार यात्रा भी कर सकेंगे और इसी दौरान विकास के कामों के भी क्रियान्वयन का हिसाब मुख्यमंत्री द्वारा ले लिया जाएगा।

विशेष रिपोर्ट विजय कुमार दास 9617565371

इस विशेष रिपोर्ट का लब्बोलुआब यह है कि, मुख्यसचिव अशोक बर्णवाल और अतिरिक्त मुख्यसचिव नीरज मंडलोई की नई कैमिस्ट्री का फायदा सीधे-सीधे राजनीतिक एवं प्रशासनिक रूप से मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मिल सकता है, लेकिन इससे ज्यादा फायदा उस निरीह जनता को मिलेगा जिसकी सुनवाई बड़ी मुश्किल से होती है और उसे न्याय मिलने में वर्षों लग जाते हैं, ऐसा माना जाए तो चौंकिएगा मत।

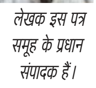

लेखक इस पत्र समूह के प्रधान संपादक हैं।

निर्तला गांव से लुहर्रा के लिए 2.5 किलोमीटर की एक करोड़ की लागत से बनी सड़क 6 माह में टूटी

खुरई। निर्तला गांव से लुहार्रा गांव के लिए बनी सीसी सड़क के घटिया निर्माण की पोल 6 माह में ही खुल गई, इस सड़क का निर्माण पिछले वर्ष एक करोड़ की लागत से हुआ था,ग्रामीणों ने बताया कि सड़क का लोकार्पण पिछले वर्ष जुलाई में ही हुआ था,इस सड़क का निर्माण सागर की कम्पनी जेके कंस्ट्रक्शन द्वारा किया गया है, ग्रामीणों ने बताया कि सड़क बनने के 6 माह बाद ही सड़क में बड़ी बड़ी दरारें आ गईं थीं,पूरी ढाई किलोमीटर की सड़क में 2-3 सौ मीटर ही सड़क ठीक है बाकी सड़क पूरी तरह से टूट चुकी है, कई जगहों पर तो ऐसी स्थिति है कि सड़क की दरारों में बाइक के पहिये फंस जाने से वाहन चालक दुर्घटना ग्रस्त हो जाते हैं,लुहार्रा गांव के पास सड़क का लगभग 15 मीटर का हिस्सा कई फिट नीचे धंस गया। इस सम्बन्ध में जानकारी लेने पर नगर पालिका के एई अविनाश रावत ने बताया कि ठेकेदार को नोटिस देकर उससे सुधार कार्य कराया जायेगा।

खुरई नवोदय विद्यालय के चौकीदार के बेटे का AIIMS जोधपुर में सम्मान

खुरई। परिवार की परिस्थितियाँ भले ही कितनी भी विपरीत क्यों न हो यदि बच्चे में प्रतिभा है तो वह अवश्य ही अपना भविष्य बनाकर परिवार का नाम रोशन करता है, ऐसा ही खुरई के जवाहर नवोदय विद्यालय के चौकीदार भगत सिंह सेन के बेटे के साथ हुआ है,अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) जोधपुर का पांचवां दीक्षांत समारोह 26 जुलाई 2026 को संस्थान के सभागार में आयोजित हुआ।

गौमाता को राष्ट्रीय माता का दर्ज दिलाने गौभक्तो ने पैदल रैली निकलकर प्रार्थना पत्र कलेक्टर को सौंपा

सागर। सोमवार को गौ सम्मान आवाह्न हस्ताक्षर अभियान चला कर सागर के सभी गौभक्त, सामाजिक लोग हिंदू संगठन,कालेज,स्कूल वाले ने मेहनत करके एक एक करके हस्ताक्षर सीटों पर साइन करे जिनमें नाम मोबाइल नंबर लिखकर अपना समर्थन दिया जिससे हम सबकी आवाज प्रधानमंत्री तक पहुँच सके सुबह 8 बजे गौभक्त ने वृंदावन बाग मंदिर पहुंचकर सीता राम और जय गौमाता जय गोपाल का भजन किया 11 बजे सभी गौभक्त साधु संतों ने पैदल रैली निकलकर कर भजन करके गौमाता को राष्ट्रीय माता गौ कानून,गौ हत्या जैसे नारे लगाकर सागर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम पत्र सौंपे और तीन लाख हस्ताक्षर के साथ पेन ड्राइव में डाटा भी दिया हाथ ही हाथों में गौमाता के नारे लिए तख्ती लिये गौभक्त रेली में चल रहे थे यह गौ सम्मान आवाह्न अभियान का दूसरा चरण था जिसमें अगला चरण अक्टूबर में होगा सरकार को जगाने के लिए यह अभियान एक साल तक चलेगा ताकि सरकार जल्दी गौमाता को सम्मान दे इस रैली में सागर के सभी गोप्रेमी प्रमुख रूप से केरवाना आश्रम के महंत एवं वृंदावन बाग के महंत जी सामाजिक लोग,हिन्दू संगठन रहे थे संतो ने बताया कि गो माता हमारी हिन्दू सनातन धर्म की पहचान हे सनातनियों के लिए तो गो माता राष्ट माता हे पर भारत में संवैधानिक रूप से भी गो माता को राष्ट आराध्या बनना चाहिए।

मोतीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक व्यक्ति ने बाबड़ी में कूदकर दी जान

सागर। मोतीनगर थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग द्वारा बाबड़ी में कूदकर आत्महत्या करने की घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। मामला रामबाग क्षेत्र का है, जहाँ नागेश्वर मंदिर के सामने स्थित एक पुरानी बाबड़ी में सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब लोगों को एक बुजुर्ग के कूदने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही मोतीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत स्ष्टत्र्त्र टीम को बुलाया गया। टीम ने करीब तीन घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। लंबी मशक्कत के बाद बाबड़ी से शव को बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान बाईसा मोहल्ला निवासी कमलकिशोर रुसिया के रूप में हुई है, जो नगर निगम में कार्यरत थे। पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है, लेकिन पुलिस हर पहलू से जांच में जुट गई है।

रावतपुरा सरकार के सानिध्य में होने वाले महानुष्ठान की तैयारियां पूरी

सागर। स्थित बालाजी मंदिर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले मां राजराजेश्वरी हरिद्रा कोटि कुमकुमार्चन महाअनुष्ठान की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सोलंकी सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आयोजन समिति को प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर संत श्री रावतपुरा सरकार के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में यह भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न होगा। महाअनुष्ठान के दौरान मां राजराजेश्वरी को एक करोड़ हरिद्रा एवं कुमकुम अर्चन समर्पित किए जाएंगे, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

सेवा और समर्पण के स्वरूप में श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव हुआ सम्पन्न

सागर। श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव के स्वरूप में किया गया। जगन्नाथ यात्रा का शुभारंभ सिटी ऑफिस सिविल लाइन से किया गया। प्रभु की सेवा से ओतप्रोत स्वामी विवेकानंद वि.वि. के संस्थापक कुलपति-डॉ. अनिल कुमार तिवारी द्वारा रथ को गति प्रदान की गई। साथ ही आपने बताया कि - रथ यात्रा हमें निस्वार्थ भाव से सेवा करने की प्रेरणा देती है। लाखों लोगों का बिना किसी स्वार्थ के केवल भगवान की सेवा में जुट जाना हमें मानवता का पाठ पढ़ाता है। यह पर्व हमारी प्राचीन परंपराओं को जीवित रखने और आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़े रखने का एक सशक्त माध्यम है। रथ यात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मा की परमात्मा से मिलने की एक जीवंत, अनुभूति है। जिस प्रकार भगवान योग निन्द्र में जाते है, हमे भी समय-समय पर अपनी इच्छाओं, व्यवहार, जीवन शैली का आत्ममूल्यांकन करना चाहिए। इसी से आध्यात्मिक उन्नति होती है। ईष्वर शयन का अर्थ मनुष्य को अन्तर्मुखी बनाता है। आदरणीय श्री राधारमण दास जी गुरूदेव, राजघाट से पधारे आपने कहा कि-जगन्नाथ यात्रा में रहना प्रभू के दर्षन करना, भजन कीर्तन से आत्मिक शान्ति की अनुभूति करना एवं भौतिक जगत से अपने को ईष्वर के सानिध्य प्राप्त करने का उत्तम साधन है।

कुलगुरू डॉ. विनोद कुमार मिश्रा ने महाविद्यालय में संचालित परीक्षाओं का निरीक्षण किया

देवरीकला। रानी अवन्तीबाई लोधी विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. विनोद कुमार मिश्रा के द्वारा 27 जुलाई सोमवार को महाविद्यालय की परीक्षा संचालन का औचक निरीक्षण किया गया जिसमें उन्होंने महाविद्यालय मे संचालित विश्वविद्यालयीन परीक्षा कक्ष में जाकर परीक्षार्थियों एवं वीक्षकों से संवाद किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश दुबे ने माननीय कुलगुरू का स्वागत किया। परीक्षा प्रभारी/अधीक्षक डॉ. कलम सिंह डुडवे द्वारा कुलगुरू को परीक्षा संचालन से संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। कुलगुरू ने महाविद्यालय की परीक्षा संचालन व्यवस्था, प्रशासनिक व्यवस्था एवं महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता की सराहना की।

दद्दा जी रेजीडेंसी और आपस सोशल वेलफेयर फाउंडेशन का भव्य वृक्षारोपण अभियान

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, क्रांति गौड ने किया वृक्षारोपण

सागर। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से आपस सोशल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा दद्दा जी रेजीडेंसी में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवियों, महिलाओं, युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रदेशाध्यक्ष, लीगल राइट्स काउंसिल, मध्यप्रदेश अनुश्री शैलेन्द्र जैन ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनका संरक्षण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि क्रांति गौड़ ने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रकृति के प्रति हमारी छोटी-छोटी जिम्मेदारियाँ ही भविष्य को सुरक्षित बना सकती हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक पारुल साहू ने भी वृक्षारोपण कर फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की।

दतिया के विकास और सुशासन की निरंतरता के लिए भाजपा को दें प्रचंड समर्थन: गोविंद सिंह राजपूत

खाद्य मंत्री ने सुशासन और जनकल्याण के लिए कमल खिलाने का किया आह्वान

सागर। प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने दतिया विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में चुनाव प्रचार को गति देते हुए समाजसेवियों, उद्योगपतियों, प्रबुद्धजनों एवं गणमान्य नागरिकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने सभी से भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान कर क्षेत्र में विकास, सुशासन और जनसेवा की निरंतरता बनाए रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश को विकास, सुशासन और जनकल्याण की नई दिशा दी है। आज मध्यप्रदेश में सड़क, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, महिला सशक्तिकरण और किसान कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। दतिया के विकास को भी नई गति देने के लिए भाजपा प्रत्याशी की विजय आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि दतिया विधानसभा उपचुनाव केवल एक विधानसभा क्षेत्र का चुनाव नहीं, बल्कि क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य, विकास की निरंतरता और जनविश्वास को मजबूत करने का अवसर है। भाजपा सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

मुख्यमंत्री के साथ कई चुनावी सभाओं में किया मंच साझा

इस दौरान खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ दतिया विधानसभा क्षेत्र में आयोजित अनेक विशाल चुनावी सभाओं और जनसभाओं में भी भाग लिया तथा भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के पक्ष में मतदान की अपील की। दोनों नेताओं ने जनता से कहा कि दतिया के विकास, सुशासन, स्थिर नेतृत्व और जनकल्याण की निरंतरता के लिए कमल के फूल का बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाएं। गोविंद सिंह राजपूत ने विश्वास व्यक्त किया कि दतिया की जागरूक जनता विकास की राजनीति पर अपना भरोसा जताते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाएगी।

सागर में भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती पर सात माह चलेगा 'समरसता संकल्प अभियान'

सागर। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक 'श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान' संचालित किया जाएगा। अभियान के माध्यम से सामाजिक समरसता, समानता एवं संत रविदास जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में भाजपा जिला कार्यालय, सागर में अभियान की जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में सागर विधायक शैलेंद्र कुमार जैन, मुख्य वक्ता नरयावली विधायक एवं अभियान के प्रदेश टोली सह-संयोजक प्रदीप लारिया तथा अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने की।

मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी किसी एक समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज के संत हैं। उनके विचार सामाजिक समरसता, समानता और मानवता की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह अभियान संत रविदास जी के आदर्शों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा तथा सामाजिक सद्भाव को नई मजबूती प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि संत रविदास जी की स्मृति में सागर में लगभग 101 करोड़ रुपये की लागत से भव्य मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। यह समूचे सागर के लिए गौरव का विषय है कि इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए देश के चुनिंदा प्रमुख स्थानों में सागर को भी स्थान प्राप्त हुआ है।

मुख्य वक्ता विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि संत रविदास जी एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के मूल विचारों को समाज तक उनके वास्तविक स्वरूप में पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि कुछ शक्तियां समाज को उनके मूल संदेशों से भटकाने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी संतों के समरसता, सामाजिक समानता और राष्ट्र निर्माण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है।

उन्होंने संत रविदास जी के प्रसिद्ध वचन मन चंगा तो कठौती में गंगा का उल्लेख करते हुए कहा कि संत रविदास जी ने सदैव आंतरिक पवित्रता, समानता, आत्मसम्मान और मानवता का संदेश दिया।

देवरी में नई तहसीलदार श्रीमती वर्षा दुबे ने संभाला कार्यभार

सीएम हेल्पलाइन और फार्मर आईडी की समीक्षा कर समय-सीमा में निराकरण के दिए निर्देश

देवरी कलाँ। सागर जिले की देवरी तहसील में सोमवार को श्रीमती वर्षा दुबे ने नई तहसीलदार के रूप में अपना कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व वे लगभग पांच वर्षों तक दमोह जिले में तहसीलदार के पद पर अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कार्यालय का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर प्रशासनिक कार्यों की जानकारी ली।

कार्यभार ग्रहण करते ही तहसीलदार श्रीमती दुबे ने शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों की समीक्षा शुरू कर दी। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों एवं फार्मर आईडी से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को सभी मामलों का समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्रीमती दुबे ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने तथा जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार करने की अपेक्षा जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही या अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा और सभी अधिकारी समयबद्ध एवं जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि आमजन को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान: दिवस-13

छात्रावासों, धार्मिक स्थलों, जेल, फैक्ट्रियों एवं औद्योगिक संस्थानों में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, नशामुक्त समाज का दिया गया संदेश

सागर। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक सागर अनुराग सुजानिया तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयवीर सिंह भदौरिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर नरेंद्र सोलंकी के निर्देशन में संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के दिवस-13 पर जिलेभर में व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय छात्रावासों, धार्मिक स्थलों, जिला जेल, फैक्ट्रियों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं कारखानों में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा जनसंवाद, जागरूकता कार्यक्रम एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यार्थियों, श्रमिकों, बंदियों, धार्मिक संस्थाओं से जुड़े लोगों एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान तथा स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों की जानकारी दी गई।

सिटी फॉरेस्ट में जिला न्यायपालिका एवं वन विभाग ने किया वृहद पौधारोपण

सागर। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 'उल्लास' एवं 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सोमवार को सिटी फॉरेस्ट सागर में जिला न्यायपालिका एवं वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम वन संरक्षक श्री रिपुदमन सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन एवं दक्षिण वनमंडल अधिकारी श्री वरुण यादव के निर्देशन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सागर श्री एम.के. शर्मा सहित जिला मुख्यालय के समस्त न्यायाधीशगण, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री अखिलेश कुमार मिश्रा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती नेहा बंसल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अंकित श्रीवास्तव, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती दिव्या भलावी, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ श्री जितेंद्र सिंह राजपूत सहित अन्य न्यायिक अधिकारी, अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारी एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान आम, जामुन, बरगद, नीम, पीपल, बादाम, अशोक, कदम, इमली सहित विभिन्न प्रजातियों के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री एम.के. शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक नागरिक को पौधे लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण, संवर्धन एवं नियमित देखभाल का भी संकल्प लेना चाहिए।

किसानों को प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

किसानों की पूरी मूंग नहीं खरीदी तो मंत्रियों के बंगले घेरेगी कांग्रेस

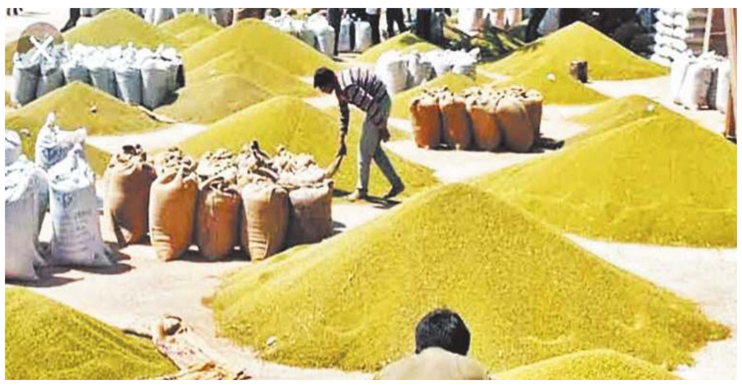

भोपाल। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी ने मध्य प्रदेश के मीडिया से चर्चा में किसानों की बदहाल स्थिति, मूंग खरीदी में सरकारी विफलता, फसल बीमा घोटाले, खाद संकट तथा किसानों के साथ अन्याय का आरोप लगाते हुए भाजपा की केंद्र एवं राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है।उनके साथ प्रवक्ता स्वदेश शर्मा, अभिनव बरोलिया, कुंदन पंजाबी, विवेक त्रिपाठी एवं राहुल राज उपस्थित रहे।

चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार एक ओर 'किसान कल्याण वर्ष' मनाने का ढोंग कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश का किसान सबसे अधिक शोषित, प्रताड़ित और उपेक्षित है। सरकार की नीतियां किसानों की आय बढ़ाने के बजाय उन्हें दलालों और माफियाओं के हवाले करने का काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में इस वर्ष लगभग 20 लाख मीट्रिक टन मूंग का उत्पादन हुआ है, लेकिन सरकार ने केवल 4.5 लाख मीट्रिक टन यानी लगभग 25 प्रतिशत खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया। एक महीने की अवधि में सरकार केवल 36,682 मीट्रिक टन मूंग ही खरीद सकी है। यह कुल उत्पादन का 2 प्रतिशत भी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर खरीदी की गति धीमी रख रही है ताकि कर्ज और आर्थिक संकट से जूझ रहे किसान अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचने को मजबूर हो जाएं। बाद में यही फसल दलाल और भाजपा समर्थित व्यापारी सरकार को समर्थन मूल्य पर बेचकर करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाएंगे। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीदी के दौरान भी यही खेल खेला गया था। प्रदेश में लगभग 365 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उत्पादन हुआ, लेकिन सरकार ने मात्र 16 लाख मीट्रिक टन यानी लगभग 28 प्रतिशत गेहूं ही खरीदा।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब सात किसान संगठन शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर भोपाल आ रहे थे, तब भाजपा सरकार ने पुलिस बल और दमन का सहारा लेकर उन्हें रोकने का प्रयास किया। चौधरी ने कहा यदि किसानों की पूरी मूंग समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदी गई, तो कांग्रेस पार्टी और सभी किसान संगठन संयुक्त रूप से प्रदेशभर में आंदोलन करेंगे तथा सरकार और जिम्मेदार मंत्रियों के बंगलों का घेराव करेंगे।

मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी बनेगी विश्वस्तरीय संरक्षण एवं पर्यटन केंद्र

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विस्तार व उन्नयन कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सोमवार को मंत्रालय में मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी के विस्तार एवं उन्नयन कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को मास्टर प्लान के अनुरूप सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सफारी का विकास पर्यटन के साथ-साथ वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन, अनुसंधान और जन-जागरूकता को नई दिशा देगा।

समीक्षा बैठक में वर्ष 2026-27 से 2045-46 तक की अवधि के लिए तैयार मास्टर प्लान पर चर्चा की गई। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) के दिशा-निर्देशों के अनुसार वर्तमान 121.99 हेक्टेयर क्षेत्र के साथ 119.87 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि जोड़कर सफारी का कुल क्षेत्रफल 241.86 हेक्टेयर करने का प्रस्ताव है। उप मुख्यमंत्री ने आधुनिक एवं प्राकृतिक वातावरण वाले पशु बाड़े, संरक्षण प्रजनन केंद्र, वन्यजीव रेस्क्यू सुविधाएं, पर्यटकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं तथा वन्यजीव संरक्षण आधारित इंटरएक्टिव एजुकेशन सेंटर विकसित करने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य पशु कल्याण, प्राकृतिक आवास, पर्यावरणीय स्थिरता और बेहतर विजिटर मैनेजमेंट को ध्यान में रखकर किए जाएं। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) समीता राजौरा वास सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अनाज भंडारण क्षमता में एमपी टॉप-5 राज्यों में, पंजाब-हरियाणा भी पीछे

भोपाल। मध्य प्रदेश अब केवल रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन ही नहीं, बल्कि सरकारी खाद्यान्न भंडारण क्षमता के मामले में भी देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। संसद में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में प्रदेश की खाद्यान्न भंडारण क्षमता 34.94 लाख मीट्रिक टन (3,493.80 हजार टन) है, जिससे मध्य प्रदेश देश के शीर्ष पांच राज्यों में पहुंच गया है।

राज्यसभा में उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के लिखित उत्तर के अनुसार भंडारण क्षमता के मामले में मध्य प्रदेश पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु, तेलंगाना और ओडिशा जैसे राज्यों से आगे है। प्रदेश से केवल उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल आगे हैं।

देश में वर्ष 2024-25 के दौरान एफसीआई, राज्य एजेंसियों और अन्य व्यवस्थाओं को मिलाकर कुल 5.55 करोड़ मीट्रिक टन खाद्यान्न भंडारण क्षमता उपलब्ध है। इसमें मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी करीब 6.3 प्रतिशत है। विशेषज्ञों के अनुसार भंडारण क्षमता बढ़ने से सरकारी खरीद के दौरान अनाज के सुरक्षित संरक्षण, परिवहन व्यवस्था में सुधार और किसानों से खरीदे गए गेहूं एवं अन्य खाद्यान्न के बेहतर प्रबंधन में मदद मिलेगी।

एक सप्ताह में निराकरण नहीं हुआ तो होगी कार्रवाई

सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी मामलों पर जिला प्रशासन सख्त

भोपाल। जिला प्रशासन ने सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के लंबित मामलों के त्वरित निराकरण को लेकर सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि एक सप्ताह के भीतर सभी लंबित शिकायतों का अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। चेतावनी दी गई कि समय-सीमा का पालन नहीं करने और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर सुमित पांडे, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी इला तिवारी, अपर कलेक्टर महेंद्र कवचे तथा अपर कलेक्टर प्रकाश नायक ने संयुक्त रूप से की। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं और लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की प्रगति पर विशेष चर्चा हुई। जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग को समन्वय के साथ मिशन मोड में अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने भानपुर-केकड़िया क्षेत्र में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने, सिकल सेल कार्ड वितरित करने, मरीजों की काउंसलिंग कराने तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से 'सिकल मित्र' तैयार करने पर जोर दिया।

मानसून के दौरान बढ़ने वाली बीमारियों की रोकथाम को लेकर भी अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग को संयुक्त कार्ययोजना बनाकर डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए प्रभावी अभियान चलाने को कहा गया। साथ ही कुपोषण की रोकथाम और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग की समीक्षा के दौरान जल जीवन मिशन के तहत संचालित एकल एवं समूह जल प्रदाय योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि मानसून के दौरान शुद्ध पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और जल योजनाओं के रखरखाव में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

अपर कलेक्टर सुमित पांडे ने स्पष्ट कहा कि सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय-सीमा पार कर चुके सभी मामलों का एक सप्ताह के भीतर निराकरण हर हाल में किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के समाधान में अनावश्यक विलंब या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के अंत में सभी विभाग प्रमुखों को अपने-अपने विभागों की नियमित साप्ताहिक समीक्षा करने, लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण और जिले के समग्र प्रशासनिक प्रदर्शन में सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

युवा संगम बना रोजगार का बड़ा मंच, 3.62 लाख युवाओं को मिला अवसर

भोपाल। राज्य सरकार की युवा संगम पहल युवाओं को रोजगार, स्व-रोजगार और अप्रेंटिसशिप से जोड़ने का प्रभावी मंच बन रही है। नवंबर 2024 से जून 2026 के बीच प्रदेश के सभी जिलों में 1012 युवा संगम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से 3 लाख 62 हजार 799 युवाओं को रोजगार, अप्रेंटिसशिप और स्व-रोजगार योजनाओं से जोड़ा गया।

तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग तथा एमएसएमई विभाग के संयुक्त प्रयास से आयोजित इन कार्यक्रमों में 1 लाख 81 हजार 248 युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के ऑफर लेटर मिले, 17 हजार 887 युवाओं का अप्रेंटिसशिप के लिए चयन हुआ, जबकि 1 लाख 63 हजार 664 युवाओं को विभिन्न स्व-रोजगार योजनाओं का लाभ मिला। युवा संगम के तहत रोजगार मेला, रोजगार दिवस और अप्रेंटिसशिप मेले को एक मंच पर लाकर युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप नौकरी, प्रशिक्षण और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

रोजगार के साथ-साथ इन आयोजनों में नशा मुक्ति अभियान, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए प्रदेश में रोजगारोन्मुख वातावरण तैयार करना है।

चित्रांश गायकों ने सदाबहार फिल्मी गीतों से बांधा समां

रिमझिम गिरे सावन 2.0 में मुकेश को संगीतमय श्रद्धांजलि

भोपाल। कायस्थ समाज की अग्रणी संस्था कायस्थम मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित सांगीतिक संध्या 'रिमझिम गिरे सावन 2.0' में रविवार को स्वर्गीय मुकेश की 103वीं जयंती पर उन्हें सदाबहार फिल्मी गीतों के माध्यम से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नेहरू नगर के सभागार में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना (आईएएस) थे। विशेष अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के महानिदेशक अनिल कोठारी, वरिष्ठ पत्रकार महेश श्रीवास्तव तथा प्रसिद्ध भजन गायक रवि खरे उपस्थित रहे। संगीतमय शाम में करीब 30 चित्रांश गायकों ने स्व. मुकेश के साथ-साथ किशोर कुमार, मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर और आशा भोसले के लोकप्रिय फिल्मी गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बरसात के सुहाने मौसम में प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

संस्था के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने बताया कि कायस्थम समाज के प्रतिभाशाली गायकों को मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष यह आयोजन करता है। यह कार्यक्रम कायस्थ समाज के गौरव एवं महान पार्श्व गायक स्व. मुकेश चंद्र माथुर की जयंती अथवा पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष उनकी 103वीं जयंती के उपलक्ष्य में गीत-संगीत की विशेष महफिल सजाई गई, जिसमें चित्रांश कलाकारों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में चित्रांश समाज के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी भी उपस्थित रहे।

रीवा संस्कृत परिसर में नए सत्र से शुरू होंगे सभी पाठ्यक्रम

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सोमवार को मंत्रालय में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के श्रीरामानुज संस्कृत परिसर, रीवा के सुदृढ़ीकरण की समीक्षा की। उन्होंने नए शैक्षणिक सत्र से सभी प्रस्तावित पाठ्यक्रमों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं गैर-शैक्षणिक पदों के शीघ्र सृजन तथा समयबद्ध भर्ती के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यूजीसी के मानकों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध और अकादमिक सुविधाओं के लिए आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाए। श्री शुक्ल ने कहा कि यह परिसर संस्कृत, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन और भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन, अध्यापन एवं शोध का प्रमुख केंद्र बनेगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन, आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पायलट की छुट्टी से बिगड़ी कश्मीर यात्रा, एयर इंडिया पर 96 हजार रुपए का जुर्माना

भोपाल। भोपाल जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने एयर इंडिया को छह वरिष्ठ नागरिक यात्रियों को 96 हजार रुपए (90 हजार रुपए क्षतिपूर्ति और 6 हजार रुपए वाद व्यय) देने का आदेश दिया है। आयोग ने उड़ान में अंतिम समय पर बदलाव और पर्याप्त सहायता नहीं देने को सेवा में कमी माना। मामले के अनुसार, भोपाल के छह यात्रियों ने 11 मई 2024 की भोपाल-दिल्ली-श्रीनगर और 17 मई की वापसी यात्रा के लिए कुल 1.18 लाख रुपए में टिकट बुक किए थे। इसके आधार पर श्रीनगर, पहलगाम और गुलमर्ग में होटल, हाउसबोट, टैक्सी और अन्य पर्यटन सेवाओं की अग्रिम बुकिंग भी कर ली थी। यात्रा शुरू होने से करीब दो घंटे पहले एयर इंडिया ने सूचना दी कि उड़ान अगले दिन संचालित होगी। इससे पूरा यात्रा कार्यक्रम प्रभावित हो गया और यात्रियों को होटल, टैक्सी तथा रेलवे टिकट दोबारा बुक कराने पड़े। सुनवाई के दौरान एयरलाइन ने उड़ान में देरी का कारण बर्ड स्ट्राइक बताया, लेकिन आयोग के समक्ष इसका कोई ठोस प्रमाण पेश नहीं कर सकी। यात्रियों का दावा था कि पायलट के अवकाश पर होने के कारण उड़ान प्रभावित हुई थी। आयोग ने एयर इंडिया को आदेश की तारीख से दो माह के भीतर 8 दिसंबर 2024 से 7% वार्षिक साधारण ब्याज सहित पूरी राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं।

स्टाइपेंड पर बातचीत की उम्मीद: जूडा ने एक दिन टाली भूख हड़ताल, आंदोलन जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश के एमबीबीएस इंटर्न और भावी इंटर्न स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन जारी रखे हुए हैं। सोमवार से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल को फिलहाल मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त एस. धनराजू ने जूडा के प्रतिनिधिमंडल को चर्चा के लिए बुलाया है, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया।

गांधी मेडिकल कॉलेज में डॉ. कृष्णा और डॉ. संकेत सोमवार से भूख हड़ताल शुरू करने वाले थे। जूडा का कहना है कि आयुक्त ने उनकी मांगों पर गंभीरता से चर्चा का भरोसा दिया है, इसलिए फिलहाल भूख हड़ताल एक दिन के लिए टाल दी गई है।

हालांकि, जूडा ने स्पष्ट किया है कि केवल भूख हड़ताल स्थगित की गई है। कार्यबहिष्कार, आंदोलन और अन्य विरोध कार्यक्रम पहले की तरह जारी रहेंगे। संगठन का कहना है कि नियमित कार्य तभी शुरू होगा, जब स्टाइपेंड बढ़ाने संबंधी मांगों पर सक्षम स्तर से लिखित आश्वासन मिलेगा। गौरतलब है कि प्रदेश के एमबीबीएस इंटर्न वर्तमान में 14,337 रुपए मासिक स्टाइपेंड प्राप्त कर रहे हैं। जूडा की मांग है कि इसे बढ़ाकर 30,000 रुपए किया जाए। अब सभी की नजर मंगलवार को आयुक्त और जूडा के बीच होने वाली बैठक पर रहेगी, जिससे आंदोलन की आगे की दिशा तय होगी।

सिरोंज से मिली उर्दू अदब को नई पहचान

- डॉ. अंजुम बाराबंकवी पर विशेषांक का विमोचन
- डॉ. महताब बोले– अदबी मामलों में भोपाल को भी सिरोंज की ओर देखना पड़ रहा है

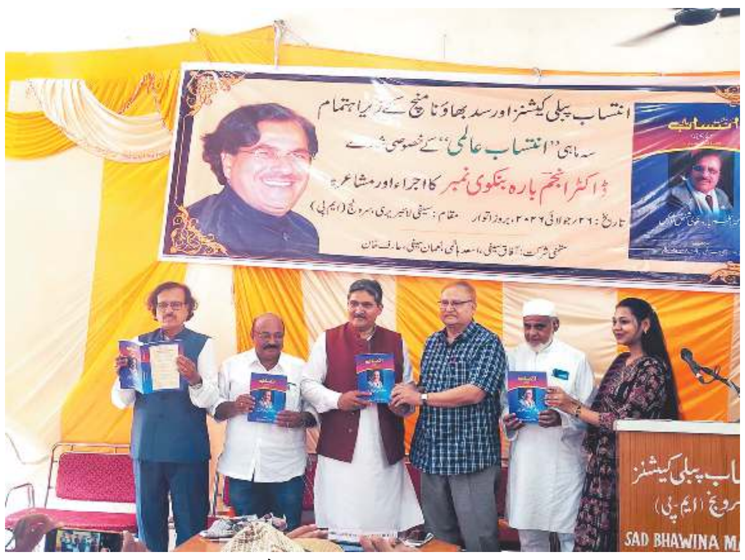

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'इन्तसाब' में प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय शायर डॉ. अंजुम बाराबंकवी पर केंद्रित विशेषांक का सिरोंज में लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर आयोजित साहित्यिक गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि उर्दू अदब की नई और गंभीर गतिविधियां अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सिरोंज जैसे छोटे शहर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मुख्य वक्ता डॉ. महताब आलम ने कहा कि गोपीचंद नारंग, निदा फ़ाज़ली, चंद्रभान ख़याल और डॉ. बशीर बद्र जैसे प्रतिष्ठित साहित्यकारों को स्थान देने वाली पत्रिका इन्तसाब में डॉ. अंजुम बाराबंकवी को शामिल किया जाना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह कार्य भोपाल के बजाय सिरोंज से संभव हुआ, जो उर्दू अदब के प्रति वहां की गंभीर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने सिरोंज के लगभग एक हजार वर्ष पुराने साहित्यिक इतिहास का उल्लेख करते हुए विशेषांक के संपादक डॉ. सैफी सिरोंजी के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त डीजीपी एम.डब्ल्यू. अंसारी थे। 'डॉ. अंजुम बाराबंकवी : शख्स और अक्स' विषय पर आयोजित परिचर्चा में विजय तिवारी, फरहान खान, डॉ. कमर अली शाह, खान अशु, तसनीम राजा और सैयद नुसरत अली सहित कई साहित्यकारों ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मुशायरे का आयोजन हुआ, जिसमें डॉ. अंजुम बाराबंकवी, साजिद प्रेमी, साजिद हाशमी, हबीब सरवर, सोहैल उमर, सिराज खान और वली उल्लाह वली ने अपना कलाम पेश किया। श्रोताओं ने उनकी प्रस्तुतियों की भरपूर सराहना की।

उर्दू की युवा पैरोकार बनीं आकर्षण का केंद्र- कार्यक्रम का संचालन स्तुति अग्रवाल ने किया। उर्दू भाषा पर उनकी प्रभावशाली पकड़ और शायरी की प्रस्तुति को खूब सराहा गया। वे उर्दू विषय पर पीएचडी कर रही हैं। कार्यक्रम के आयोजन में उनके पिता अनिल अग्रवाल का भी विशेष सहयोग रहा।

संपादकीय

कचरा केवल सफाई नहीं, जनस्वास्थ्य का सवाल

अनीता चौबे

देश के अधिकांश शहर आज तेजी से बढ़ते शहरीकरण, बढ़ती आबादी और सीमित संसाधनों के बीच ठोस कचरा प्रबंधन की गंभीर चुनौती से जूझ रहे हैं। ऐसे में यदि सफाई व्यवस्था कुछ दिनों के लिए भी ठप पड़ जाए तो उसका असर केवल शहर की सुंदरता पर नहीं, बल्कि सीधे आम नागरिकों के स्वास्थ्य, पर्यावरण और जीवन की गुणवत्ता पर पड़ता है। पंजाब में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण उत्पन्न हालात और इस पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की चिंता इसी गंभीर वास्तविकता की ओर संकेत करती है।

मानसून के मौसम में सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर जमा कचरा संक्रामक बीमारियों के प्रसार का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। जलभराव, जाम नालियां, दूषित जल स्रोत तथा मच्छरों और अन्य रोग फैलाने वाले जीवों का बढ़ना स्वास्थ्य व्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ डालता है। इसलिए स्वच्छता केवल नगर निकायों की नियमित जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य की पहली शर्त है।

विडंबना यह है कि समाज को स्वच्छ रखने वाले सफाई कर्मचारी स्वयं लंबे समय से असुरक्षित रोजगार, कम वेतन, अपर्याप्त सुविधाओं और सम्मान की कमी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। उनकी मांगों की अनदेखी अक्सर तब तक होती है, जब तक वे आंदोलन या हड़ताल का रास्ता नहीं अपनाते। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती। सफाई कर्मचारियों की जायज मांगों का समयबद्ध समाधान सरकार और स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी है।

साथ ही यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि आवश्यक नागरिक सेवाएं पूरी तरह बाधित न हों। सरकारों को ऐसी आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए, जिससे किसी भी विवाद या हड़ताल की स्थिति में सफाई व्यवस्था और जनस्वास्थ्य प्रभावित न हो। संवाद, सहमति और संवेदनशील प्रशासन ही ऐसे संकटों का स्थायी समाधान दे सकते हैं।

भारत में प्रतिदिन लाखों टन ठोस कचरा उत्पन्न होता है। इसका वैज्ञानिक और आधुनिक तकनीक से निस्तारण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कचरा पृथक्करण, पुनर्चक्रण, आधुनिक मशीनों का उपयोग, पर्याप्त मानव संसाधन और इस क्षेत्र में निरंतर निवेश के बिना स्वच्छ शहरों का सपना साकार नहीं हो सकता।

स्वच्छता केवल सरकार या सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है। नागरिकों को भी कचरा इधर-उधर फेंकने से बचना होगा, स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण करना होगा और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी मानना होगा। जब प्रशासन, सफाई कर्मचारी और आम नागरिक तीनों मिलकर अपनी भूमिका निभाएंगे, तभी स्वस्थ, स्वच्छ और टिकाऊ शहरों का निर्माण संभव होगा।

सुविचार

माया मरी न मन मरा, मर मर गये शरीर। आशा तृष्ना ना मरी, कह गये दास कबीर?
- कबीर

राष्ट्रीय हिन्दी मेल 30वाँ वर्ष

सेहत

सेहत से भरपूर: तुलसी के गुण और फायदे

तुलसी को आयुर्वेद में औषधीय पौधा माना गया है। इसमें मौजूद कई प्राकृतिक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायक माने जाते हैं।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

तुलसी में फ्लेवोनॉयड्स, पॉलीफेनॉल्स तथा विटामिन॒ और ष्ट जैसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। ये शरीर में बनने वाले हानिकारक फ्री रेडिकल्स से होने वाली कोशिकीय क्षति को कम करने में मदद करते हैं। इससे ऑक्सीडेटिव तनाव घट सकता है, जो कई गंभीर बीमारियों के जोखिम से जुड़ा माना जाता है।

सूजन कम करने में सहायक

तुलसी में यूजेनॉल, लिनालूल और सिट्रोनेलॉल जैसे प्राकृतिक यौगिक होते हैं, जिनमें सूजनरोधी गुण पाए जाते हैं। ये शरीर में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती

तुलसी में विटामिन C, आयरन और जिंक जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं। इससे शरीर संक्रमणों से लड़ने में बेहतर सक्षम हो सकता है।

पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत

तुलसी में विटामिन ञ्च, मैंगनीज, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ये हड्डियों के स्वास्थ्य, रक्त के थक्के बनने और शरीर की कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के लिए जरूरी हैं।

पाचन तंत्र के लिए लाभकारी

तुलसी में मौजूद प्राकृतिक यौगिक पाचन क्रिया को बेहतर बनाने, गैस और पेट फूलने की समस्या कम करने तथा पेट को आराम पहुंचाने में मदद कर सकते हैं।

तनाव कम करने में मददगार

तुलसी को एक प्राकृतिक एडाप्टोजेन माना जाता है। इसमें मौजूद कुछ तत्व मानसिक तनाव कम करने और मन को शांत रखने में सहायक हो सकते हैं। तुलसी को रोजमर्रा के भोजन में आसानी से शामिल किया जा सकता है। इसकी ताजी पत्तियों को सलाद, सूप, सैंडविच, पास्ता और सब्जियों में डालकर खाया जा सकता है। इसके अलावा तुलसी की हर्बल चाय भी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी मानी जाती है।

छात्र आंदोलन का जंतर-मंतर से राष्ट्रव्यापी हो जाना

नरेंद्र तिवारी

> "जैसा की सत्ता पर काबिज दल की नीति है, अपने खिलाफ उठी आवाज को राष्ट्र विरोधी बताकर भयभीत किया जाता रहा है। अपनी आदत अनुसार विदेशी फंडिंग, डपली वाली गैंग, अर्बन नक्सल, आंदोलन जीवी, आतंकवादी जैसे शब्दों से सम्बोधित किया जाने लगा। अभिजीत दीपके सहित तमाम छात्रों को विदेशी ऐजेंट बताया जाने लगा। ज़ब इस आंदोलन को पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुग ने समर्थन किया, वें अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे तो उन्हें भारत विरोधी चीन का जासूस कहना आरम्भ कर दिया। यह शब्द भारतीय जनमानस को चुभने लगे।"

जंतर मंतर से शुरू हुए छात्र आंदोलन का महज 25 दिनों मे राष्ट्व्यापी हो जाना राजनीति शास्त्र के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन का विषय हो सकता है। अध्ययन के साथ यह सरकार के सोचने का विषय भी है की ज़ब देश मे चारो तरफ गुड़ फील महसूस किया जा रहा है, तो फिर ये अचानक देश की जनता को क्या हुआ जो सरकार के विरोध मे इतने बड़े स्तर पर आंदोलित होने लगी। छात्रों का यह आंदोलन 20 से 25 दिनों मे भारत के आमजन का आंदोलन कैसे बन गया। सोच विचार और अध्ययन का विषय यह भी हो सकता है, ज़ब देश के मिडिया का बड़ा हिस्सा छात्रों के आंदोलन की गतिविधियों को प्रचारित और प्रकाशित करने से गुरेज कर रहा हो, तब इतने अल्प समय मे काकरोच जनता पार्टी का सन्देश गाँव-गांव, घर-घर तक कैसे पहुंचा, छात्र सहित छात्रों के अभिभावको ने इस आंदोलन को अपना समर्थन देने का निर्णय लिया। आखिर कैसे जंतर मंतर पहुंचने के आह्वान पर सम्पूर्ण भारत से लोग बिना किसी प्रबंध के स्वविवेक से निर्भय होकर दिल्ली के आंदोलन मे शामिल होने लगे, जो दिल्ली नहीं जा सके उन्होंने अपने शहर के आंदोलन मे जाना उचित समझा।

आंदोलन किसी निश्चित उद्देश्य या विचार की पूर्ति के लिए लोगो द्वारा किया गया संगठित और सामूहिक प्रयास होता है। इसका मुख्य उद्देश्य अन्याय, शोषण, अव्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करना समाज, राजनीति और अर्थ व्यवस्था मे बदलाव लाना होता है। दिल्ली के जंतर मंतर पर उभरा आंदोलन शिक्षा व्यवस्था मे आमूलचूल परिवर्तन, नीट पेपर लिक मामले मे 22 छात्रों की आत्महत्याएं और लाखों छात्रों के अंधकार मे डूबते भविष्य की

जवाबदेही लेते हुए भारत के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तिफे की मांग को लेकर शुरू हुआ। यह आंदोलन नव गठित काकरोच जनता पार्टी के बैनर तले शुरू हुआ।

जैसा की सत्ता पर काबिज दल की नीति है, अपने खिलाफ उठी आवाज को राष्ट्र विरोधी बताकर भयभीत किया जाता रहा है। अपनी आदत अनुसार विदेशी फंडिंग, डपली वाली गैंग, अर्बन नक्सल, आंदोलन जीवी, आतंकवादी जैसे शब्दों से सम्बोधित किया जाने लगा। अभिजीत दीपके सहित तमाम छात्रों को विदेशी ऐजेंट बताया जाने लगा। ज़ब इस आंदोलन को पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुग ने समर्थन किया, वें अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे तो उन्हें भारत विरोधी चीन का जासूस कहना आरम्भ कर दिया। यह शब्द भारतीय जनमानस को चुभने लगे। तिरंगा हाथ मे उठाकर भारत माता की जय जयकार करने वाले, देशभक्ति के तरानों पर झूमने वाले, अपने हाथों मे भगतसिंह और अम्बेडर की तस्वीर टाँगे युवाओं को सत्ताधारी दल के नेताओं द्वारा लगातार अपमानित करना देश के छात्रों और आमजन को नागवार गुजरा। सोनम वांगचुग को भूख हड़ताल से जबरदस्ती उठाना भी आग मे घी का काम कर गया। सोश्यल मिडिया जंतर मंतर के वीडियो और संदेशो से भर गया। सरकार का आंदोलन को कुचलने के लिए सबसे बड़ा प्रयास एवं अलोकतान्त्रिक रवैय्या ज़ब सामने आया ज़ब 20 जुलाई को चलो संसद अभियान मे देश भर से शामिल छात्र-छात्राओं और आमजन पर बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया, अश्रुगैस के गोले छोड़े गए, रबर की गोलियों से हजारों छात्र-छात्राओं को घायल किया गया। दिल्ली पुलिस की इस बर्बरता पूर्ण कार्यवाही के बाद देश भर मे सरकार के प्रति आमजन का गुस्सा फुट पड़ा।

जंतर मंतर पर चल रहे आंदोलन की सबसे बड़ी बात यह रही की यहाँ से वैज्ञानिक सोनम वांगचुग सहित, आंदोलन के कर्ता धर्ताओं ने गांधीगिरी को अपना हथियार बनाया पुलिस की सख्ती के बावजूद देश की जनता से आंदोलन मे शामिल होने की अपील की जाती रही। जंतर मंतर के आंदोलनकारी देश के सामने सरकार की शिक्षा नीति मे दोष, इसमे परिवर्तन की संभावना, नीट पेपर लिक मामले मे सरकार की विफलता बताने मे कामयाब हुए। सोश्यल मिडिया पर चल रहे इस वैचारिक छात्र आंदोलन को सरकार और गोदी मिडिया लगातार दबाने के प्रयास करता रहा। इस आंदोलन मे छात्रों की मुखरता, निडरता और प्रतिबद्धता के साथ सरकार के सख्त रुख से टकराने की भावना आमजन मे आंदोलन मे शामिल होने और छात्रों के साथ खडे रहने की भावना पैदा कर गयी। जंतर मंतर के छात्र आंदोलन मे अनेको विरोधी विचारों के बावजूद भी देश प्रथम की भावना देखी गयी। आंदोलन के राष्ट्रव्यापी होने के बहुत से कारणों मे आंदोलनकारियों का प्रजातंत्र के मुख्य अस्त्र हड़ताल, भूख हड़ताल, आमरण अनशन और गांधीगिरी मे प्रबल विश्वास देखा गया। भारतीय संविधान, महापुरुषो और प्रजातात्रिक तौर तरीको ने इस आंदोलन को सरकार की सख्ती और राष्ट्रीय मीडिया की अनदेखी के बावजूद भी जन आंदोलन मे बदलने मे सफलता मिल पाई है। इसे सफल कहने के पीछे अब आंदोलन के प्रति सरकार का उदार होना देश के प्रधानमंत्री द्वारा संदेश के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था मे सुधार के कदमो का जिक्र करना, सबसे बड़ी बात आंदोलनकारियों से संवाद स्थापित करने के प्रयास करना शामिल है।

देश के हुक्मरानो को यह याद रखना चाहिए की सरकार प्रजातंत्र की देन है। प्रजातात्रिक तौर तरीको से ही चलाई जाना चाहिए। ज़ब सरकार मे जवाबदेही की भावना खत्म हो जाती है, तब ऐसे प्रजातांत्रिक आंदोलन जन्म लेते है। इतिहास गवाह है, स्वतंत्र भारत मे सरकार किसी भी दल या विचारों की हो, प्रजातांत्रिक मूल्यों पर कुठराघात देश की जनता सहन नहीं करती है।

ज्ञानवाणी

एक अनोखे मालिक की सीख

राजस्थान के एक छोटे से कस्बे नयासर में नंदाराम कस्वां नाम के एक सम्मानित और उदार स्वभाव के व्यक्ति रहते थे। उनके घर में कई लोग काम करते थे। सभी उनका बहुत सम्मान करते थे, क्योंकि वे कभी किसी से ऊँची आवाज़ में बात नहीं करते थे। उनका मानना था कि इंसान को आदेश से नहीं, बल्कि प्रेम और सम्मान से जीता जा सकता है।

उनके घर में एक अधेड़ उम्र का नौकर भी था। वह मेहनती तो था, लेकिन उसकी एक आदत सबको परेशान करती थी। वह रोज़ देर तक सोता रहता था। जब तक वह उठता, घर के बाकी लोग अपना-अपना काम शुरू कर चुके होते। कई बार उसे समझाया गया, लेकिन उसकी आदत नहीं बदली।

घर के लोगों ने एक दिन नंदाराम कस्वां से कहा, ÷मालिक, इसे कई बार समझा चुके हैं। अब इसे काम से निकाल दीजिए।

नंदाराम कस्वां मुस्कराए और बोले, हर गलती की सज़ा निकाल देना नहीं होती। कभी-कभी प्यार से समझाने का असर डाँट से कहीं ज़्यादा होता है।

अगली सुबह सूरज निकलने से पहले ही नंदाराम कस्वां उठ गए। उन्होंने एक लोटे में पानी भरा और धीरे-धीरे उस नौकर के कमरे में पहुँचे। नौकर गहरी नींद में सो रहा था।

उन्होंने बड़े स्नेह से उसके कंधे पर हाथ रखा और बोले, उठिए मालिक... सुबह हो गई है। पहले मुँह-हाथ धो लीजिए। मैं आपके लिए चाय और नहाने का पानी तैयार करता हूँ।

यह सुनकर नौकर घबरा गया। उसे लगा शायद वह कोई सपना देख रहा है। वह कुछ समझ पाता, उससे पहले नंदाराम कस्वां सचमुच गर्म चाय लेकर उसके सामने खड़े थे।

वे मुस्कराकर बोले, लीजिए मालिक, पहले चाय पी लीजिए। फिर आराम से अपने काम पर लगिए। अब नौकर की आँखों से आँसू निकल पड़े। वह उनके चरणों में झुक गया और बोला, मालिक, आपने मुझे नौकर नहीं, इंसान समझकर सम्मान दिया है। आज आपने मुझे मेरी सबसे बड़ी भूल का एहसास करा दिया। मैं वचन देता हूँ कि आज के बाद कभी देर तक नहीं सोऊँगा और अपने कर्तव्य में लापरवाही नहीं करूँगा।

अगले ही दिन घर के सभी लोग हैरान रह गए। वही नौकर सबसे पहले उठ चुका था। उसने आँगन साफ़ कर दिया था, चाय बना दी थी और घर का अधिकांश काम भी पूरा कर लिया था। उसकी आदत हमेशा के लिए बदल चुकी थी। घर वालों ने नंदाराम कस्वां से पूछा, आपने ऐसा कौन-सा जादू कर दिया? वे मुस्कराकर बोले, जादू मैंने नहीं किया। यह सम्मान और विनम्रता की शक्ति है। इंसान को अपमान से नहीं, सम्मान से बदला जा सकता है। जब हम किसी को उसकी इज़्ज़त का एहसास कराते हैं, तब उसका हृदय स्वयं बदल जाता है। उस दिन घर के सभी लोगों ने समझ लिया कि सच्चा नेतृत्व वही है, जिसमें अधिकार से अधिक विनम्रता और प्रेम हो। कठोर शब्द जहाँ दीवारें खड़ी करते हैं, वहीं मधुर व्यवहार दिलों के दरवाज़े खोल देता है।

मशीनों के युग में मनुष्य को मनुष्य बनाने वाली शक्ति : गुरु

कृति आरके जैन

जब संसार प्रकाश के साधनों से जगमगा रहा हो, फिर भी मनुष्य का अंतर्मन अज्ञान, भ्रम और बेचैनी के अंधकार से घिरा हो, तब गुरु का महत्व और बढ़ जाता है। आज सूचनाओं का महासागर है, पर सत्य की निर्मल धारा दुर्लभ होती जा रही है। तकनीक ने जीवन सरल बनाया है, किंतु आत्मिक शांति और सही दिशा की खोज गहरी हुई है। ऐसे समय में गुरु पूर्णिमा केवल पर्व नहीं, बल्कि चेतना जागरण का वह अवसर है, जो मनुष्य को भीतर छिपे प्रकाश से परिचित कराता है। पूर्ण चंद्रमा की शीतल आभा संदेश देती है कि अंधकार प्रकाश के सामने टिक नहीं सकता। गुरु वह दिव्य ज्योति है, जो भ्रम हटाकर सत्य का मार्ग दिखाती है और जीवन को उद्देश्य से जोड़ती है। सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता, बल्कि भीतर सोई चेतना को जगाकर श्रेष्ठ स्वरूप पहचानने की प्रेरणा देता है। युग बदले, साधन बदले, पर मनुष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता सही दिशा है। आज स्क्रीन की रोशनी में आंखें जाग रही हैं, पर भीतर का प्रकाश मंद पड़ रहा है। संबंध बढ़े हैं, संवाद घटा है; जानकारी बढ़ी है, पर समझ कम हुई है। ऐसे समय में गुरु-शिष्य संबंध केवल परंपरा नहीं, चेतना जागृत करने वाली शक्ति है। गुरु केवल शब्दों का ज्ञान नहीं देता, वह शिष्य के भीतर छिपे विश्वास, विवेक और सामर्थ्य को जगाता है। वह जीवन के कठिन मोड़ों पर दिशा देने वाला प्रकाशस्तंभ है, जो शिष्य को भीड़ में खोने नहीं देता, बल्कि स्वयं की पहचान तक पहुंचाता है। सच्चा गुरु मार्ग नहीं थोपता, बल्कि शिष्य को अपना मार्ग चुनने योग्य बनाता है। यही संबंध पीढ़ियों को आगे बढ़ाकर भीतर से श्रेष्ठ बनाता है।

मनुष्य ने किताबों में ज्ञान खोजा, पर जीवन के गहरे सत्य प्रकृति ने बिना शब्दों के सिखाए हैं। आज जब धरती अपने बदलते स्वरूप से मानव को चेतावनी दे रही है, तब समझने का समय है कि प्रकृति केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी शिक्षक भी है। वृक्ष त्याग का अर्थ बताते हैं, नदियां रुकावटों के बीच आगे बढ़ना सिखाती हैं, पर्वत मौन रहकर संघर्ष की शक्ति दिखाते हैं और आकाश सीमाओं से परे सोचने की प्रेरणा देता है। सदियों से प्रकृति देती रही, पर हमने उसे केवल लेने की दृष्टि से देखा। गुरु पूर्णिमा का संदेश है कि प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, सम्मान की गुरु-दृष्टि से देखने की आवश्यकता है। विकास की वास्तविक पहचान वही है, जहां मानव प्रगति और प्रकृति का अस्तित्व एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री बनें।

आज मनुष्य के पास हर सुविधा है, फिर भी मन के भीतर खालीपन बढ़ रहा है। बाहरी दुनिया जीतने की दौड़ में वह अंतर्मन की आवाज सुनना भूल गया है। चिंता, असंतोष और बेचैनी केवल परिस्थितियों नहीं, दृष्टिकोण की भी उपज हैं। ऐसे समय में गुरु वह शक्ति है, जो मन के अंधेरे को समझ का प्रकाश देती है। वह घावों को भरकर उन्हें जीवन की सीख में बदलने की क्षमता देता है। सच्चा गुरु संघर्षों से बचना नहीं, बल्कि उनके बीच संतुलित और शांत रहना सिखाता है। गुरु पूर्णिमा का संदेश है कि जीवन का सबसे बड़ा उपचार बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि जागृत सोच, आत्मविश्वास और भीतर के प्रकाश को पहचानने में है। दुनिया बदलने की दौड़ में सबसे बड़ा खतरा यह नहीं कि हम आगे बढ़ रहे हैं, बल्कि यह है कि कहीं अपनी पहचान पीछे न छोड़ दें। संस्कृति केवल रीति-रिवाजों का संग्रह नहीं, बल्कि पीढ़ियों के अनुभव, विचार और जीवन मूल्यों की धारा है। गुरु परंपरा इसी धारा को आगे बढ़ाने वाली शक्ति है, जो अलग-अलग सभ्यताओं को ज्ञान के सूत्र से जोड़ती है। भाषा, वेश और परंपराएं भले अलग हों, पर सत्य, करुणा और ज्ञान का भाव हर जगह एक होता है। गुरु पूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि जड़ों से जुड़े रहकर ही हम विश्व को वास्तविक अर्थों में जोड़ सकते हैं। विविधता हमारी दूरी नहीं, मानवता की सुंदर पहचान है।

मानव ने मशीनों को सोचने की क्षमता दे दी, पर उन्हें महसूस करने की शक्ति नहीं दे सका। यही अंतर आने वाले समय में गुरु की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता सूचनाओं का संसार खोल सकती है, लेकिन सही और गलत के बीच अंतर करने का विवेक नहीं जगा सकती। आज आवश्यकता ऐसे मार्गदर्शकों की है, जो तकनीक की उड़ान को मानवता की जमीन से जोड़े रखें। ज्ञान की ऊंचाई तभी सार्थक है, जब उसमें संवेदना और नैतिकता का प्रकाश हो। गुरु पूर्णिमा का संदेश है कि भविष्य का नेतृत्व मशीनें नहीं, बल्कि जागृत चेतना वाले मनुष्य करेंगे, जो तकनीक को नियंत्रित करें और उसके प्रभाव में स्वयं को न खोएं।

अपने भीतर के प्रकाश को पहचानना ही गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश है। जीवन की सच्ची ऊंचाई तब है, जब हमारी सोच किसी को प्रेरणा दे, शब्द किसी टूटे मन को संबल दें और कर्म किसी के लिए आशा की किरण बन जाएं। हर मनुष्य में दूसरों के अंधकार को मिटाने की क्षमता छिपी है, बस उसे स्वार्थ से ऊपर उठकर पहचानने की आवश्यकता है। जब ज्ञान विनम्रता बने, शक्ति सेवा बने और जीवन प्रेरणा बन जाए, तभी गुरु परंपरा की सार्थकता सिद्ध होती है। स्वयं प्रकाश बनकर ही हम संसार में उजाला फैला सकते हैं। गुरु पूर्णिमा केवल गुरु वंदना नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर छिपे प्रकाश को पहचानने का अवसर है। गुरु वह शक्ति है जो अज्ञान के पर्दे हटाकर विवेक की राह दिखाती है और जीवन को नई दृष्टि देती है। जब सोच में शुद्धता, कर्मों में संवेदना और मन में संतुलन आता है, तब व्यक्ति स्वयं प्रकाश का माध्यम बन जाता है।

शिक्षा तंत्र में शुचिता की नई राह

महेन्द्र तिवारी

भारत के शिक्षा जगत में पिछले कुछ समय से जिस तरह की उथल पुथल मची है, वह किसी से छिपी नहीं है। देश की सबसे प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक, राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा अर्थात नीट यूजी में हुए कथित पेपर लीक और उसके बाद उपजे विवाद ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। लाखों छात्रों का भविष्य, उनके माता पिता की जीवन भर की गाढ़ी कमाई और सालों की अथक मेहनत चंद रुपयों के लालच में दांव पर लग गई।

इस घटना ने हमारी परीक्षा प्रणाली की उन तमाम खामियों को उजागर कर दिया है जो दशकों से इस व्यवस्था को अंदर ही अंदर खोखला कर रही थीं। जब कोई छात्र दिन रात एक करके किसी परीक्षा की तैयारी करता है, तो उसके साथ पूरा परिवार जागता है। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों से आने वाले कई परिवार तो अपनी जमीन जायदाद गिरवी रखकर बच्चों को कोचिंग के लिए बड़े शहरों में भेजते हैं। ऐसे में जब परीक्षा के दिन पता चलता है कि पर्चा तो पहले ही लाखों रुपये में बिक चुका है, तो केवल एक छात्र का सपना नहीं टूटता, बल्कि एक पूरे परिवार का वर्तमान और भविष्य दोनों अंधकार में डूब जाते हैं। यह स्थिति समाज में भयंकर हताशा और आक्रोश को जन्म देती है। सड़कों पर उतरे निराश और आक्रोशित छात्रों के नारों ने सत्ता के गलियारों तक यह संदेश स्पष्ट रूप से पहुंचा दिया कि अब लीपापोती से काम नहीं चलने वाला है। इसी भारी जन दबाव और नैतिक जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए अंततः केंद्रीय शिक्षा मंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। लेकिन किसी एक व्यक्ति का इस्तीफा इस गहरी और ढांचागत बीमारी का स्थायी इलाज नहीं हो सकता था। इस बात को समझते हुए अब सरकार ने कुछ ऐसे ठोस और दूरगामी कदम उठाए हैं जिनका उद्देश्य पूरी परीक्षा व्यवस्था को जड़ से साफ करना और उसमें फिर से जनता का विश्वास बहाल करना है।

इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण और बड़ा कदम प्रधानमंत्री द्वारा एक उच्चाधिकार प्राप्त विशेष टास्क फोर्स का गठन है। इस टास्क फोर्स की कमान देश के जाने माने तकनीकी विशेषज्ञ और आधार परियोजना को सफलतापूर्वक लागू करने वाले इंफोसिस के सह संस्थापक नंदन नीलेकणि को सौंपी गई है। यह नियुक्ति अपने आप में बहुत कुछ कहती है। सरकार अब यह पूरी तरह से समझ चुकी है कि पुरानी नौकरशाही और पारंपरिक तरीकों से शिक्षा माफियाओं के इस हाई टेक नेटवर्क को नहीं तोड़ा जा सकता है। आज के समय में पेपर लीक करने वाले गिरोह डार्क वेब, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स और आधुनिक संचार उपकरणों का बेधड़क इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में उनका मुकाबला करने के लिए व्यवस्था को भी तकनीकी रूप से उनसे दस कदम आगे रहना होगा। नीलेकणि के नेतृत्व वाली यह समिति मुख्य रूप से प्रश्नपत्र सेट होने से लेकर उसके प्रिंट होने, परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने, परीक्षा के आयोजन और अंततः परिणाम घोषित होने तक की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल रूप से सुरक्षित बनाने का खाका तैयार करेगी। इस समिति में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के पूर्व प्रमुख डॉ. एस. सोमनाथ, इंटेलिजेंस ब्यूरो के पूर्व निदेशक तपन डेका और आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी जैसे दिग्गजों को भी शामिल किया गया है। इन सभी विशेषज्ञों का एक साथ आना यह सुनिश्चित करता है कि नई व्यवस्था केवल तकनीकी रूप से ही मजबूत नहीं होगी, बल्कि उसमें साइबर सुरक्षा और खुफिया निगरानी का भी पुख्ता प्रबंध होगा।

जल संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान, पद्मश्री मोहन नागर का सम्मान

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुआ पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण पर दिया जोर

शिवपुरी, आरएचएम । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला शिवपुरी द्वारा शासकीय श्रीमंत माधवराव सिंधिया महाविद्यालय के विधि विभाग सभाकक्ष में परिषद के उपाध्यक्ष एवं पद्मश्री सम्मानित मोहन नागर के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया गया।

मुख्य अतिथि मोहन नागर ने कहा कि जल संकट से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण, वर्षा जल संचयन तथा बावड़ियों सहित पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण जनभागीदारी से ही सफल हो सकता है और सभी नागरिकों को इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड ने कहा कि मोहन नागर को पद्मश्री सम्मान मिलना परिषद परिवार के लिए गौरव की बात है। उन्होंने शिवपुरी जिले में परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए स्वैच्छिकता और सामूहिक सहभागिता से समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया। जिला समन्वयक डॉ. रीना शर्मा ने स्वागत भाषण एवं जिले की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। समारोह में अतिथियों का स्मृति-चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इसके बाद एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया।

कार्यक्रम का संचालन विकासखंड समन्वयक महेश परिहार ने किया तथा अंत में विकासखंड समन्वयक शिशुपाल सिंह जादौन ने आभार व्यक्त किया। समारोह में नवांकुर एवं प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि, समाजसेवी संस्थाओं के सदस्य, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के विद्यार्थी तथा परिषद के परामर्शदाता उपस्थित रहे।

रीवा में आबकारी का शिकंजा, 4.08 लाख की अवैध शराब-लाहन जब्त

रीवा, आरएचएम । आबकारी विभाग ने पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए सिरमौर तहसील के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान 41 लीटर हाथभट्ठी से निर्मित अवैध शराब और 4 हजार किलो महुआ लाहन जब्त कर नष्ट कराया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत ?4.08 लाख (?4,08,200) बताई गई है।

सहायक आयुक्त आबकारी अनिल जैन ने बताया कि कार्रवाई के दौरान ग्राम बम्हनी में चार, बैदहा में तीन, रेलहा में एक तथा रगौली में एक व्यक्ति सहित कुल नौ आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 के तहत प्रकरण दर्ज किए गए। कार्रवाई में आबकारी विभाग के उड़नदस्ता प्रभारी अखिलेश्वर ठाकुर, सहायक जिला आबकारी अधिकारी डी.पी. सिंह तथा आबकारी और पुलिस विभाग के संयुक्त अमले ने भाग लिया। विभाग ने बताया कि अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

कलेक्टर ने बरगी बांध के जलस्तर और नहर व्यवस्था का लिया जायजा

जबलपुर, आरएचएम । कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बरगी बांध का निरीक्षण कर जलभराव की स्थिति और नहरों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि बांध का जलस्तर 413.75 मीटर है तथा सिंचाई के लिए दाईं तट नहर में 15 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे जबलपुर, पनागर और सिहोरा क्षेत्र के किसानों को लाभ मिलेगा।

कलेक्टर ने अधिकारियों को नहरों में निर्बाध जल प्रवाह सुनिश्चित करने, नियमित मॉनिटरिंग तथा साफ-सफाई और रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, एसडीएम अभिषेक सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान में 111 गर्भवतियों की जांच, 49 हाई-रिस्क चिन्हित

छिंदवाड़ा, आरएचएम । जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के तहत आयोजित एएनसी कैंप में 111 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के दौरान 49 महिलाओं को हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) श्रेणी में चिन्हित कर उन्हें उपचार, नियमित फॉलो-अप और आवश्यकतानुसार रेफरल संबंधी परामर्श दिया गया।

कलेक्टर हरेंद्र नारायन के मार्गदर्शन एवं सिविल सर्जन डॉ. कंचन दुबे के नेतृत्व में आयोजित शिविर का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, विशेषकर हाई-रिस्क गर्भावस्था वाली महिलाओं की समय पर पहचान कर उन्हें एक ही स्थान पर गुणवत्तापूर्ण जांच एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना था।

शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्वेता पाठक, डॉ. दीपी महाजन और डॉ. शीतल गढ़पाले ने गर्भवती महिलाओं की जांच कर चिकित्सकीय परामर्श दिया। इस दौरान नर्सिंग स्टाफ एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने सक्रिय सहयोग किया।

कैंप में 24 महिलाओं की अल्ट्रासोनोग्राफी (यूएसजी), 51 महिलाओं की एचआईवी जांच तथा अन्य आवश्यक प्रयोगशाला परीक्षण भी किए गए। सभी जांच एक ही स्थान पर उपलब्ध होने से महिलाओं को समग्र स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला।

शिविर में सुरक्षित मातृत्व, हाई-रिस्क गर्भावस्था की समय पर पहचान, संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन और प्रसवोत्तर देखभाल के संबंध में जागरूक किया गया। सभी लाभार्थियों को नाश्ता भी वितरित किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यह अभियान जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है।

हाईवे पर डकैत ने रंगदारी न देने पर कंटेनर पर की फायरिंग

ग्वालियर, आरएचएम । एबी रोड (आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे) पर रविवार शाम 30 हजार रुपए के इनामी डकैत कल्ली गुर्जर और उसके साथियों ने दिल्ली से भोपाल जा रहे किराना सामान से भरे कंटेनर को ओवरटेक कर रोक लिया। बदमाशों ने चालक से रंगदारी (गुंडा टैक्स) मांगी। इंकार करने पर राइफल से ताबड़तोड़ फायरिंग कर कंटेनर के सभी 12 टायर बर्स्ट कर दिए। वारदात के दौरान पुलिस पेट्रोलिंग वाहन की आहट मिलते ही आरोपी चालक और हेल्पर को जान से मारने की धमकी देकर बिना नंबर की बोलेरो से फरार हो गए। सूचना पर घाटीगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और चालक घनश्याम गुर्जर की शिकायत पर कल्ली गुर्जर सहित तीन आरोपियों के खिलाफ रंगदारी, जानलेवा हमला, आर्म्स एक्ट और अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

कारगिल विजय दिवस पर छात्राओं ने जगाई देशभक्ति की अलख

एनसीसी-एनएसएस की रैली, शहीदों को नमन और राष्ट्रीय एकता की शपथ

ग्वालियर, आरएचएम । कारगिल विजय दिवस के अवसर पर विजयाराजे शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुरार में एनसीसी एवं एनएसएस की छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में जनजागरूकता रैली से हुई। रैली में छात्राओं ने ÷भारत माता की जय÷, ÷वंदे मातरम÷ और ÷शहीदों का सम्मान, राष्ट्र का अभिमान÷ जैसे नारों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया।

मुख्य वक्ता पूर्व एनसीसी अधिकारी मेजर राजवीर सिंह किरार ने कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को याद करते हुए छात्राओं को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी। एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. मौसमी सिंह ने कहा

कि वीर शहीदों का बलिदान देश की अमूल्य धरोहर है, जिसे नई पीढ़ी को सदैव स्मरण रखना चाहिए।

कार्यक्रम में एनसीसी और एनएसएस की छात्राओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सैनिकों के त्याग और बलिदान को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा बताया। संचालन एनसीसी की सीनियर अंडर ऑफिसर निकिता तोमर ने किया। कार्यक्रम लेफ्टिनेंट डॉ. मौसमी सिंह, डॉ. संगीता सिंह एवं डॉ. इंदु गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। अंत में सभी ने राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्रहित की शपथ ली और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जबलपुर बैंक डकैती में एक और आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर, आरएचएम । खितौला स्थित इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक में अगस्त 2025 में हुई डकैती के मामले में जबलपुर पुलिस ने बिहार से एक और आरोपी छोटू उर्फ सरमन मेहतो (23) को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से करीब 350 ग्राम सोने के आभूषण (कीमत लगभग ?60 लाख) और वारदात में प्रयुक्त एक देशी पिस्टल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मास्टरमाइंड सुनील पासवान का करीबी सहयोगी था और लूटे गए सोने को छिपाने व बेचने में मदद करता था। इस मामले में अब तक 13 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि करीब 7.8 किलो सोने की बरामदगी अभी बाकी है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश के साथ मुख्य आरोपी की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई भी कर रही है।

ग्राम विकास समितियों को मिला जनजागरूकता अभियानों का प्रशिक्षण

छिंदवाड़ा, आरएचएम । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड तामिया के महाविद्यालय सभागार में प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम के तहत ग्राम विकास समितियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अगस्त माह के हर घर तिरंगा अभियान, हरियाली अमावस्या पर पौधारोपण, नशामुक्ति अभियान 2.0, सर्पदंश जागरूकता, आदर्श ग्राम निर्माण तथा परिषद की विभिन्न गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

प्रशिक्षण में जिला समन्वयक अखिलेश जैन, विकासखंड समन्वयक ललिता कुशरे एवं दीपक गेडाम, कृषि विभाग के नवनीत झरवड़े, समाजसेवी नितिन दत्ता, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. योगेश पाराशर, वन विभाग की माया धुर्वे, परामर्शदाता शंकर राम प्रजापति, सुभाष मिनोटे, संदीप राज, पंकज राय, स्वाति सूर्यवंशी, महेंद्र यादव तथा नवांकुर संस्था के प्रदीप उइके और रघुवीर पंद्राम सहित अन्य सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती, सड़क सुरक्षा, समाज कल्याण, सर्पदंश से बचाव और जनभागीदारी पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें नवांकुर संस्था, प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।

87.30 प्रतिशत मामलों का समयबद्ध निपटारा, कलेक्टर ने टीम को दी बधाई

प्रकरण निराकरण में गुना अपर कलेक्टर न्यायालय प्रदेश में तीसरे स्थान पर

गुना, आरएचएम । राजस्व प्रकरणों के त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण में गुना जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। शासन द्वारा 24 जुलाई 2026 को जारी प्रकरण निराकरण प्रतिवेदन के अनुसार गुना के अपर कलेक्टर न्यायालय ने पूरे मध्यप्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

अपर कलेक्टर न्यायालय में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, विवाह पंजीयन, आंगनवाड़ी नियुक्ति, लोक सेवा गारंटी, सूचना का अधिकार सहित विभिन्न राजस्व एवं प्रशासनिक मामलों की सुनवाई होती है।

प्रकरणों के शीघ्र निपटारे के लिए सप्ताह में तीन दिन नियमित सुनवाई की व्यवस्था की गई है। सुनवाई से पहले अधीनस्थ न्यायालयों से मूल अभिलेख एवं नोटिस तामील की प्रक्रिया सुनिश्चित

की जाती है। पक्षकारों को मोबाइल फोन के माध्यम से भी सूचना दी जाती है।

अपर कलेक्टर अखिलेश कुमार जैन ने बताया कि आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज 307 प्रकरणों में

से 268 का निराकरण किया जा चुका है। इस प्रकार न्यायालय का निराकरण प्रतिशत 87.30 रहा। निजी भूमि के राजस्व अभिलेखों में पांच वर्ष से अधिक पुरानी त्रुटियों के सुधार संबंधी प्रकरणों का भी यथासंभव 15 दिनों के भीतर निराकरण किया जा रहा है।इस उपलब्धि पर कलेक्टर किशोर कन्याल ने अपर कलेक्टर एवं न्यायालयीन स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि आमजन को त्वरित और न्यायसंगत राहत उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने लंबित प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण कर जिले को प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाने के प्रयास करने के निर्देश दिए

। प्रदेश स्तर पर पांढुर्णा 93.33 प्रतिशत निराकरण के साथ प्रथम तथा भोपाल 88.64 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा। कलेक्टर ने नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने प्रकरणों की सुनवाई में समय पर उपस्थित होकर न्यायालय का सहयोग करें, ताकि मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित हो सके।

दतिया उपचुनावः माइक्रो ऑब्जर्वरों को दिया निर्वाचन प्रशिक्षण

दतिया, आरएचएम । दतिया विधानसभा उपनिर्वाचन-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में माइक्रो ऑब्जर्वरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में निर्वाचन प्रेक्षक विजय भारती की उपस्थिति में माइक्रो ऑब्जर्वरों को निर्वाचन प्रक्रिया, दायित्वों और आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखते हुए जिम्मेदारियों का पूरी सतर्कता से निर्वहन करने तथा निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ अक्षय कुमार तेम्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी तथा मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित रहे। प्रशिक्षण का उद्देश्य माइक्रो ऑब्जर्वरों को उनके कर्तव्यों से भली-भांति अवगत कराना था, ताकि विधानसभा उपनिर्वाचन का मतदान स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जा सके।

साँची में सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण संपन्न

पोस्टर से पूर्व सीएम शिवराज की फोटो नदारद, बना चर्चा का विषय

रायसेन। शासकीय सांदीपनि विद्यालय (पूर्व में 'सीएम राइज स्कूल'), साँची के नए भवन का लोकार्पण समारोह सोमवार को विद्यालय परिसर में गरिमामय माहौल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री एवं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पवार ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर और पट्टिका का अनावरण कर भवन का विधिवत लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक शैक्षणिक इंफ्रास्ट्रक्चर से क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी, जो उनके स्वर्णिम भविष्य की नींव रखेगा।

समारोह में *विशिष्ट अतिथि* क्षेत्रीय विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा और भाजपा जिलाध्यक्ष शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि मंच पर मौजूद रहे। अतिथियों ने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के प्रयासों की सराहना की।

जनक की तस्वीर गायब होने से राजनीतिक गर्माहट

इस भव्य आयोजन के बीच एक बात विशेष रूप से कौतूहल और राजनीतिक गलियारों में दिनभर चर्चा का केंद्र बनी रही। कार्यक्रम स्थल पर लगे आधिकारिक बैनर-पोस्टरों से क्षेत्रीय सांसद और वर्तमान में भारत सरकार के केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की तस्वीर पूरी तरह गायब रही।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहते हुए शिवराज सिंह चौहान ने ही शिक्षा क्षेत्र में क्रांति लाने के उद्देश्य से इस योजना की आधारशिला रखी थी, जिसे वर्तमान मोहन यादव सरकार द्वारा 'सांदीपनि विद्यालय' नाम दिया गया है। योजना के जनक और क्षेत्रीय सांसद होने के बावजूद अपने ही क्षेत्र के इतने बड़े शासकीय आयोजन के पोस्टरों से शिवराज सिंह चौहान का फोटो नदारद रहने पर स्थानीय कार्यकर्ताओं में नाराजगी और भाजपा के अंदरूनी समीकरणों को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित

नगर कांग्रेस कमेटी ने किया शहीदों को नमन निकाली रैली

आमला। नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा शहर में स्थित शहीद स्मारकों पर श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन कर देश के वीर सपूतों के बलिदान को याद किया गया। साथ ही कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। कांग्रेसियों ने सर्वप्रथम नेहरू पार्क के सामने स्थित शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके बाद रविवार शाम इतवारी चौक स्थित शहीद स्मारक पर कैंडल जलाकर शहीदों के बलिदान को याद किया और शहीदों को नमन किया।

ये रहे उपस्थित- इस अवसर पर कांग्रेस के शहर प्रभारी शाबीर, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय सोलंकी, पूर्व पार्षद विजय अतुलकर, सेवादल के विधानसभा प्रभारी जितेंद्र शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुभाष देशमुख, रमेश दामले, पूर्व पार्षद शैलेंद्र खातरकर, कमलेश माकोड़े, मदन साहू, महासचिव यशपाल ठाकुर, दीपक बेले, रमजान खान, राजेश राठौर, शेख आबिद, अमित सोनी, राकेश निरापूरे, गोलू वरवड़े, सीटू साहू, रशीद खान, विजय बछ्ले, भूपेंद्र बेले, प्रकाश माथनकर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे

'शहीदों का बलिदान हमारी प्रेरणा' - ग्रामवासियों ने लिया संकल्प

कारगिल विजय दिवसः अंधारियाँ में शहीदों को श्रद्धांजलि, किया वृक्षारोपण

आमला । कारगिल विजय दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत अंधारियाँ द्वारा शहीद स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में वीरगति को प्राप्त भारत माता के अमर सपूतों को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को भावपूर्ण स्मरण किया गया। इसके बाद वीर शहीदों की पावन स्मृति में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया गया।

पूर्व सैनिक रहे मौजूद- कार्यक्रम में भूतपूर्व सैनिक संघ, तहसील आमला से ताम्रध्वज चौहान, शिवकांत नरवरे, डी.एल. सूर्यवंशी, मिश्रीलाल नरवरे, मधु रहड़वे, चंद्रकिशोर चौहान, बामने, सुनील सिमैया, मनोज डढोरे, देवेंद्र नरवरे, देवमन गढ़ेकर, मगन डढोरे, मनहोर बनखेडे एवं राजू सावनेर सहित अनेक पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी हुए शामिल- इस अवसर पर मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद, विकासखंड आमला, नवांकुर संस्था अभिनव समाज कल्याण संगठन के प्रतिनिधि, विकासखंड समन्वयक अरविंद माथकर, नरेंद्र प्रसाद सोनी, भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र गढ़ेकर, अनिल सोनारे, जगदीश राठौर, परामर्शदाता घनीराम गढ़ेकर, प्रमोद सोनारे, कार्तिकराम बारपेटे, कमलेश सावनेर, लावन सोलंकी, ललित सोनी, सुधाकर उमरे, राजू अतुलकर, नवीन गढ़ेकर, जितेंद्र नरवरे, कृष्या सोलंकी, वीरेंद्र सोलंकी, बाबूराव बारपेटे, जगन चौहान सहित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

हनुमान मंदिर परिसर में रोपे फलदार और फूलदार पौधे

शहडोल। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने और शहर में हरियाली को बढ़ावा देने की दिशा में एकादशी के पावन अवसर पर पुराना बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'वृक्ष लगाओ, पर्यावरण बचाओ' अभियान के तहत मंदिर परिसर में फलदार, फूलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पौधों की देखभाल और उन्हें संरक्षित करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे ने शमी का पौधा रोपकर किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। पेड़-पौधे न केवल पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि स्वच्छ वायु, छाया और जैव विविधता के संरक्षण के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित भविष्य की नींव भी तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा करना भी हम सभी की जिम्मेदारी है।

मृतक की पत्नी को नहीं मिल पा रहा था योजनाओं का लाभ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्तक्षेप से 2 साल बाद असम से मिला पति का मृत्यु प्रमाण पत्र

आमला। कभी-कभी एक-दो दिन में होने वाले कामों में महीने और साल लग जाते हैं। ऐसा ही आमला तहसील के ग्राम भयावाड़ी निवासी कलसिया उइके के साथ हुआ। उनके पति धनसू उइके वर्ष 2023 में मजदूरी करने के लिए असम गए थे। असम के डिब्रूगढ़ जिले के लेगोटिया क्षेत्र में 9 अक्टूबर 2023 को नदी में डूबने से उनकी मौत हो गई थी। अंतिम संस्कार भी वहीं किया गया था। लेकिन मृत्यु प्रमाण पत्र न बन पाने के कारण मृतक की पत्नी कलसिया बाई को शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। अधिवक्ता शफी ने उनकी मदद करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर पूरे मामले से अवगत कराया।

इसके बाद राष्ट्रपति सचिवालय से इस शिकायत को असम के डिब्रूगढ़ भेजा गया। वहां से मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाकर 2 साल बाद आमला तहसीलदार को भेजा गया।

तहसीलदार ने दी जानकारी तहसीलदार आमला रिचा कौरव ने बताया कि नियमानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र उसी राज्य में जारी किया जाता है, जहां व्यक्ति की मृत्यु हुई हो। इसी कारण यह प्रमाण पत्र असम प्रशासन द्वारा जारी किया गया है। महिला ने डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन और सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उसने कहा कि अब मृत्यु प्रमाण पत्र मिलने से सरकारी योजनाओं और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं का रास्ता खुल गया है।

आदिवासीयो ने की सराहना- इस मामले की खबर जब ब्लॉक में फैली तो सभी ने राष्ट्रपति सचिवालय की प्रशंसा की। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राजेश बट्टी ने कहा कि महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आमला के आदिवासियों का दिल जीत लिया है। इससे स्पष्ट होता है कि महामहिम गरीब आदिवासियों के प्रति बहुत संवेदनशील हैं। राजेश बट्टी ने आदिवासी वर्ग की तरफ से राष्ट्रपति का आभार भी व्यक्त किया।

रायसेन में महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

रायसेन। शहर की शीतल सिटी कॉलोनी में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां सुबह करीब 10 बजे एक 45 वर्षीय महिला ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के वक्त महिला का पति कोर्ट में अपनी ड्यूटी पर तैनात था।

जानकारी के अनुसार, घटना का खुलासा तब हुआ जब महिला की बड़ी बेटी ने अपनी मां को कमरे में फंदे पर लटका देखा। चीख-पुकार सुनकर आसपास के पड़ोसी मौके पर एकत्र हो गए। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके का मुआयना कर पंचनामा कार्रवाई पूरी की और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया।

परिजनों का हाल बेहाल, आत्महत्या के कारण अज्ञात- मृतका की पहचान सरोज विश्वकर्मा (45 वर्ष) के रूप में हुई है। उनके परिवार में पति और दो बेटियां हैं। पड़ोसियों का कहना है कि घटना से कुछ समय पहले तक महिला बिल्कुल सामान्य स्थिति में नजर आ रही थी, जिससे इस कदम के पीछे की वजह किसी की समझ में नहीं आ रही है।

पुलिस कर रही जांच- कोतवाली थाना प्रभारी नरेंद्र गोयल ने बताया कि प्राथमिक रूप से आत्महत्या का कारण अभी अज्ञात है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और परिजनों व पड़ोसियों के बयान दर्ज कर मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है।

ऑनलाइन बाजार से जुड़ने की राह हुई आसान

शहडोल के जनजातीय शिल्प को मिल रही नई पहचान, हुनर को बाजार से जोड़ने की पहल

शहडोल। शहडोल की पहचान केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध वन संपदा और जनजातीय संस्कृति से ही नहीं, बल्कि यहां के कुशल शिल्पकारों की पारंपरिक कला और हुनर से भी है। वर्षों से गोंडी पेंटिंग, काष्ठ शिल्प, रॉट आयरन तथा कालीन-दरी निर्माण जैसी हस्तशिल्प विधाएं जिले के जनजातीय परिवारों की आजीविका का महत्वपूर्ण साधन होने के साथ-साथ क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत बनाए हुए हैं। बदलते समय और आधुनिक बाजार की प्रतिस्पर्धा के बीच स्थानीय शिल्पकारों के सामने अपनी कला को व्यापक बाजार और नई पहचान दिलाने की चुनौती रही है। इन्हीं चुनौतियों को अवसर में बदलने के लिए जिला प्रशासन द्वारा शिल्पकारों को प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ने की

दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम, छतवई में डीएमएफ योजना वर्ष 2024-25 के अंतर्गत 50 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 200 स्थानीय प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को गोंडी पेंटिंग, रॉट आयरन, काष्ठ शिल्प तथा कालीन-दरी निर्माण जैसी पारंपरिक विधाओं के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों और बदलती बाजार की आवश्यकताओं से भी अवगत कराया गया।

परंपरागत हुनर को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का प्रयास- प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय शिल्पकारों को उनके पारंपरिक हुनर को और अधिक निखारने के साथ आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करने के लिए सक्षम बनाना था। प्रशिक्षण के माध्यम से शिल्पकारों को अपने उत्पादों की गुणवत्ता, डिजाइन और प्रस्तुतीकरण में सुधार करने का अवसर मिला। इससे स्थानीय कलाकारों में अपने हुनर को लेकर आत्मविश्वास बढ़ने के साथ रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसरों की संभावनाएं भी बनी हैं।प्रशिक्षण के उपरांत आयोजित जनजातीय शिल्पकार नामिका मेले ने स्थानीय शिल्पकारों को अपनी कला और उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध कराया। मेले में शिल्पकारों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न पारंपरिक एवं कलात्मक उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान ट्राइफेड के अधिकारियों ने शिल्पकारों को ऑनलाइन पंजीयन के लिए प्रेरित किया, ताकि उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध हो सके।

एसपी ने देर रात सीमावर्ती थाने का किया औचक निरीक्षण

शहडोल। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर पूर्णतः अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल द्वारा 25 एवं 26 जुलाई 2026 की दरम्यानी रात जिले के सीमावर्ती थाना देवलोंद क्षेत्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक के देर रात अचानक क्षेत्र में पहुंचने से पुलिस महकमे में भी सक्रियता देखने को मिली। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना देवलोंद अंतर्गत ग्राम सथनी, जनकपुर एवं सुखाड़ सहित आसपास के क्षेत्रों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, कानून व्यवस्था और पुलिस गश्त की स्थिति की जानकारी ली। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा सोन घड़ियाल संरक्षित क्षेत्र तथा सोन एवं बनास नदियों के आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस का लगातार भ्रमण एवं प्रभावी पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए।

ग्राम खम्हरिया कला की घटना ने झकझोरा, बारिश के मौसम में सर्पदंश से बचाव को लेकर सतर्क रहने की अपील

सर्पदंश से 11 वर्षीय मासूम बच्ची की दुखद मौत, गांव में पसरा मातम

शहडोल। जिले के ग्राम खम्हरिया कला में सर्पदंश की एक बेहद दुखद और हृदयविदारक घटना सामने आई है। बताया गया कि ग्राम निवासी बाबूलाल पटेल की 11 वर्षीय नातिन वैष्णवी पटेल, जो कक्षा पांचवीं की छात्रा थी, सर्पदंश का शिकार हो गई। घटना के बाद बच्ची की मौत से परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर व्याप्त है। मासूम बच्ची की असमय मृत्यु की खबर जिसने भी सुनी, उसकी आंखें नम हो गईं।

परिजनों और ग्रामीणों के लिए यह घटना बेहद पीड़ादायक है। एक मासूम बच्ची, जो अभी जीवन की शुरुआती दहलीज पर थी और जिसके भविष्य को लेकर परिवार ने कई सपने संजोए थे, उसके यूं अचानक दुनिया से चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ईश्वर दिवंगत मासूम वैष्णवी पटेल की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा

शोकाकुल माता-पिता और परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बारिश के मौसम में बढ़ जाता है सर्पदंश का खतर- गौरतलब है कि बारिश के मौसम में खेतों, झाड़ियों, घरों के आसपास तथा नमी वाले स्थानों पर सांपों की सक्रियता बढ़ जाती है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। रात के समय घर से बाहर निकलते समय टॉर्च का उपयोग करें। खेत, लकड़ी के ढेर, झाड़ियों अथवा अंधेरे स्थानों पर हाथ डालने से पहले अच्छी तरह जांच कर लें। घर के आसपास घास-फूस और कचरा जमा न होने दें तथा सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें।

सर्पदंश होने पर झाड़-फूंक में समय न गंवाएं- स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह है कि यदि किसी व्यक्ति को सांप काट ले तो घबराएं नहीं और पीड़ित को जल्द से जल्द नजदीकी सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाएं। सर्पदंश के मामले में झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र या घरेलू उपचार के भरोसे समय गंवाना जानलेवा साबित हो सकता है। पीड़ित को कम से कम हिलाएं-डुलाएं और तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। समय पर उपचार और एंटीवेनम उपलब्ध होने से सर्पदंश के कई मामलों में जीवन बचाया जा सकता है।खम्हरिया कला की यह दुखद घटना एक बार फिर लोगों को सचेत करती है कि बारिश के मौसम में सर्पदंश से बचाव के लिए विशेष सतर्कता बरतना बेहद जरूरी है। सावधानी, जागरूकता और समय पर अस्पताल पहुंचाना ही सर्पदंश से होने वाली मौतों को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंची पुलिस

व्यापारियों और नागरिकों से संवाद कर नशे के दुष्परिणाम बताए

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिले में संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' जन-जागरूकता अभियान के तहत पुलिस द्वारा लगातार व्यापक स्तर पर जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत जिले के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ आम नागरिकों, व्यापारियों और विभिन्न वर्गों के लोगों से संपर्क कर नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया गया।अभियान के दौरान थाना प्रभारियों एवं

पुलिस अधिकारियों द्वारा क्षेत्र के प्रमुख बाजारों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर व्यापारियों एवं आम नागरिकों से सीधे संवाद किया गया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को नशे के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए नशे से पूरी तरह दूर रहने की अपील की। नागरिकों को समझाया गया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करती है, बल्कि इसका दुष्प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर भी पड़ता है।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप : ईशा ने महिला 25 मीटर पिस्टल में जीता गोल्ड, मनु भाकर को मिला कांस्य

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

चीन के हांगझू में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप खेला जा रहा है। भारतीय निशानेबाजों ने टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया। ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर को ईशा सिंह ने पीछे छोड़कर गोल्ड अपने नाम कर लिया। भाकर ने ब्रॉन्ज मेडल जीता और इसी के साथ भारत ने डबल पोडियम हासिल किया। क्वालीफिकेशन राउंड में भी भारत के शूटर्स ने कमाल किया।

क्वालीफिकेशन राउंड में भारतीय निशानेबाजों ने अपनी ताकत दिखाई। मनु भाकर ने 586-20× के स्कोर के साथ टॉप पर जगह बनाई। ईशा सिंह सिर्फ एक पॉइंट पीछे 585-18× के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। राहि सरनोबत ने भी 582-16× का अच्छा स्कोर किया। फाइनल में पहुंचने वाली आठ निशानेबाजों में तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल थीं।

फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। ईशा सिंह ने पूरे समय शांति बनाए रखी और 40 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीत लिया। मनु भाकर को एक शूट-ऑफ जीतकर आगे बढ़ना पड़ा लेकिन अंत में वे 28 हिट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल पर संतोष करना पड़ा। ईशा ने पिछले कुछ समय से लगातार शानदार खेल दिखाया है और भारत के लिए मेडल जीता है। ईशा सिंह ने मैच के बाद बताया कि मुंबई में हाल ही में बनाए गए विश्व रिकॉर्ड के बाद इस बार दबाव ज्यादा था। उन्होंने कहा, पिछले अच्छे प्रदर्शन के कारण इस मैच में काफी दबाव महसूस हुआ। जितना बेहतर प्रदर्शन करते हो, उतनी ज्यादा उम्मीदें बढ़ जाती हैं। मैं खुश हूं कि इस दबाव को झेलकर मैं स्वर्ण पदक जीत सकी। उन्होंने हांगझू वेन्यू को भी खास बताया। 2023 एशियाई खेलों में यहीं चार पदक जीतने वाली ईशा को इस वेन्यू से अच्छी यादें हैं। परिचित रेंज, लाइटिंग और माहौल ने उन्हें फायदा पहुंचाया।

मनु भाकर गोल्ेड नहीं जीत सकी लेकिन कांस्य पदक को काफी अहम माना। उनका मानना है कि वे इससे सीख लेकर आगे बढ़ेंगी और आने वाले समय में अच्छा प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने कहा, यह पदक बहुत महत्वपूर्ण है। यह मुझे बताता है कि क्या काम कर रहा है और आगे किस दिशा में काम करना है।

रजत जीतने पर मुथुपंडी को सीएम विजय ने दिया 30 लाख का इनाम

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वेटलिफ्टिंग में पुरुषों के 65 किग्रा में रजत पदक जीतने वाले वेटलिफ्टर राजा मुथुपंडी के लिए 30 लाख रुपये के नकद इनाम की घोषणा की है। एथलीट को उनकी कामयाबी पर बधाई देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इनाम उनके शानदार प्रदर्शन के लिए है। सीएम ने भरोसा जताया कि उनकी कामयाबी राज्य के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी।

विजय ने कहा, मैं ग्लासगो में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में रजत पदक जीतने के लिए राजा मुथुपंडी को दिल से बधाई देता हूं। उनकी सफलता तमिलनाडु के लिए बहुत गर्व की बात है। उनकी यह उपलब्धि हमारे युवाओं को प्रेरणा दे। मैं उन्हें और भी कई जीत की शुभकामनाएं देता हूं जो तमिलनाडु और देश दोनों के लिए सम्मान लाएंगी।

मुख्यमंत्री विजय ने सोशल मीडिया पर एक मैसेज के जरिए युवा वेटलिफ्टर को दिल से बधाई दी। उन्होंने मुथुपंडी के परफॉर्मेंस को एक रिकॉर्ड बनाने वाली कामयाबी बताया और कहा कि उन्हें राज्य के सबसे बड़े स्पोर्ट्स इंसेंटिव में से एक से सम्मानित किया जाएगा। राजा को उनकी सफलता पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बधाई दी है। राजा ने कुल 286 किग्रा (126 किग्रा+160 किग्रा) के साथ खत्म किया। राजा ने 125 किग्रा के सफल स्नैच से शुरुआत की और फिर अपनी दूसरी कोशिश में 126 किग्रा तक सुधार किया। वह अपनी आखिरी लिफ्ट में 129 किग्रा क्लियर नहीं कर पाए।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में मीराबाई चानू ने जीत स्वर्ण पदक, हुई भावुक

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में स्वर्ण जीतने के बाद मीराबाई चानू ने अपने संघर्ष, चोटों और त्याग को याद करते हुए भावुक प्रतिक्रिया दी। वहीं रजत पदक विजेता राजा मुथुपांडी ने स्वर्ण नहीं जीत पाने का अफसोस जताया और अपना पदक माता-पिता तथा कोच विजय शर्मा को समर्पित किया।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के लिए चौथा दिन यादगार रहा। एक ओर मीराबाई चानू ने राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया, तो दूसरी ओर पोडियम पर उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। मीराबाई ने बताया कि यह खुशी वर्षों के त्याग, चोटों और मानसिक संघर्ष का परिणाम थी। वहीं पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाले राजा मुथुपांडी ने स्वर्ण से चूकने का अफसोस जताया और अपनी सफलता माता-पिता तथा कोच विजय शर्मा को समर्पित करते हुए भावुक बयान दिया। दोनों भारतीय भारोत्तोलकों के ये शब्द उनके संघर्ष और मेहनत की कहानी खुद बयां करते हैं।

महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण जीतने के बाद मीराबाई चानू काफी भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के पीछे कई वर्षों की मेहनत, चोटों से जंग और मानसिक दबाव रहा है। मीराबाई ने कहा, मैं बहुत खुश हूं और बहुत भावुक भी हूं। यहां तक पहुंचने और पदक जीतने के लिए मैंने बहुत त्याग किए हैं। मैंने मानसिक तनाव और चोटों का सामना किया। मुझे नहीं पता था कि मैं राष्ट्रमंडल खेलों का रिकॉर्ड बना दूंगी। मेरा पूरा ध्यान सिर्फ अपने कोच द्वारा दिए गए वजन को सफलतापूर्वक उठाने पर था। मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में कुल 190 किग्रा (85 किग्रा स्नैच और 105 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि नया राष्ट्रमंडल खेल और राष्ट्रमंडल रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इसके साथ ही वह गोल्ड कोस्ट 2018 और बर्मिंघम 2022 के बाद लगातार तीसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन बनीं।

पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाले राजा मुथुपांडी अपनी उपलब्धि से खुश जरूर थे, लेकिन उनके चेहरे पर स्वर्ण नहीं जीत पाने की कसक भी साफ दिखाई दी। उन्होंने कहा कि उनके कोच विजय शर्मा को उन पर स्वर्ण जीतने का भरोसा था और वह उस उम्मीद पर पूरी तरह खरे नहीं उतर सके। मुथुपांडी ने कहा, मुझे निश्चित रूप से निराशा है, क्योंकि मेरे कोच को मुझ पर भरोसा था कि हम पूरा प्रयास करके स्वर्ण पदक जीतेंगे। लेकिन मैं वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाया। मैं यह पदक अपने माता-पिता और अपने कोच विजय शर्मा को समर्पित करता हूं। यहां से जो सीख मिली है, उसे लेकर आगे बढ़ूंगा। मैं अपने कोच के निर्देशों के अनुसार प्रशिक्षण करूंगा और पहले से भी ज्यादा मेहनत करूंगा। 26 वर्षीय मुथुपांडी ने स्नैच में 126 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 160 किग्रा वजन उठाकर कुल 286 किग्रा के साथ रजत पदक अपने नाम किया। स्वर्ण पदक मलेशिया के अजनिल बिन बिदिन मोहम्मद ने 299 किग्रा के राष्ट्रमंडल खेल रिकॉर्ड के साथ जीता।

ज्ञानेश्वरी ने भारत को दिलाया तीसरा रजत

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

भारत की महिला भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव ने 53 किलो भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। ज्ञानेश्वरी ने स्नैच में 88 किलो और क्लीन एंड जर्क में 111 किलो वजन उठाया। इसके साथ ही उन्होंने कुल 199 किलो वजन उठाकर दूसर स्थान हासिल किया। नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला दिदिह ने कुल 206 किलो (93+113) वजन उठाकर स्वर्ण पदक और कनाडा की रेबेका ग्रोउलेक्स ने कुल 178 किलो (83+95) का वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। ज्ञानेश्वरी शुरुआत से ही पदक की प्रबल दावेदार थीं, लेकिन महज सात किलो के अंतर से स्वर्ण पदक जीतने से चूक गईं। ज्ञानेश्वरी ने पहले प्रयास में 82 किलो वजन सफलतापूर्वक उठाया। ज्ञानेश्वरी ने स्नैच के दूसरे प्रयास में 85 किलो वजन उठाया। इसके बाद उन्होंने स्नैच के तीसरे प्रयास में 88 किलो वजन उठाया। ज्ञानेश्वरी के स्नैच में तीनों प्रयास सफल रहे। हर एक प्रयास में उन्होंने अपना वजन बढ़ाया और वह इसे उठाने में सफल भी रहीं। ज्ञानेश्वरी का तीसरे प्रयास में 88 किलो वजन कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड भी था, लेकिन नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला दिदिह ने 93 किलो उठाया नया रिकॉर्ड बनाया। स्नैच के बाद नाइजीरिया की दिदिह आगे चल रही थीं और ज्ञानेश्वरी दूसरे नंबर पर थीं। क्लीन एंड जर्क में ज्ञानेश्वरी ने पहले प्रयास में 103 किलो वजन रजिस्टर कराया और वह इसमें सफल भी रहीं। इसके बाद उन्होंने 107 किलो और 111 किलो का वजन उठाया। स्नैच की तरह क्लीन एंड जर्क में भी ज्ञानेश्वरी के तीनों प्रयास सफल रहे। लेकिन दिदिह स्नैच की तरह क्लीन एंड जर्क में भी ज्ञानेश्वरी से आगे रहीं।

प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट प्लेयर बने वैभव सूर्यवंशी

हरारे। भारत ने तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सबसे ज्यादा 151 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे इंटरनेशनल क्रिकेट में यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट खिलाड़ी बन गए। हरारे में सूर्यवंशी ने 49 गेंद पर 81 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यवंशी इस साल टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा 86 छक्के लगा चुके हैं। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी ने अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान का रिकॉर्ड तोड़ा। मुजीब 16 साल 328 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे। सूर्यवंशी 15 साल 121 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने। वे इंटरनेशनल में यह अवॉर्ड जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 17 साल 112 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। सूर्यवंशी ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी भी बने।

कप्तानी से हटाए जाने के बाद शान मसूद ने ठोका शतक

राष्ट्रीय हिंदी मेल, नई दिल्ली।

पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान शान मसूद ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए इतिहास रच दिया है। उन्होंने त्रिनिदाद, ब्रायन लारा स्टेडियम में खेलते हुए शतक लगाया और इसी के साथ एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। शान इस सीरीज से पहले तक पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान थे और उनकी अगुवाई में टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा।

मसूद को हटाकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बाबर आजम को टेस्ट टीम का कप्तान बनाया। कप्तानी जाने के बाद शान मसूद ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया और उन्होंने शतक ठोक दिया है। इससे पहले भी उन्हें शुरुआत मिलती रही है लेकिन वे उसे बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पा रहे थे। हालांकि, वेस्टइंडीज के खिलाफ सैकड़ा जड़कर उन्होंने अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज करा लिया है।

पाकिस्तानी बल्लेबाज पहले बैटर बन गए हैं, जिन्होंने ब्रायर लारा स्टेडियम, त्रिनिदाद में टेस्ट मैचों में शतक लगाया है। इस मैदान पर ये पहला टेस्ट मैच था और इसी मुकाबले में सेंचुरी ठोककर मसूद ने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उनका ये 7वां टेस्ट शतक है। इसके अलावा वेस्टइंडीज में खेलते हुए मसूद मात्र तीसरे ऐसे पाकिस्तानी बल्लेबाज बने हैं, जिन्होंने शतक लगाया है। उनसे पहले ये कारनामा अजहर अली ने 2017 में किया था। पाकिस्तान के लिए पहली बार युनिस खान ने 2005 में वेस्टइंडीज में तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए शतक लगाया था।

मसूद ने लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाया है। उन्होंने इससे पहले जनवरी 2025 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ शतक लगाया था। दूसरी पारी में खेलते हुए इस बल्लेबाज ने 145 रन बनाए थे। उसके बाद वे कोई शतक नहीं लगा सके थे। पिछले 6 टेस्ट मैचों में उन्होंने 4 अर्धशतक लगाए लेकिन किसी भी हाफ सेंचुरी को सैकड़े में तब्दील नहीं कर सके थे।

पाकिस्तान ने इसी साल मई में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा किया था। पाक को उस सीरीज में मेजबानों ने 0-2 से हराया था और सीरीज अपने नाम की थी। इसके बाद शान मसूद को बोर्ड ने कप्तानी से हटा दिया और बाबर को फिर से टीम का कप्तान बना दिया।

व्यापार

सोना-चांदी में गिरावट, बाजार में चिंता

इंदौर। दुनियाभर की आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों के कारण सोना-चांदी दबाव में है। जनवरी में सोना और चांदी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए थे, लेकिन अब इनके भाव काफी नीचे आ गए हैं। चांदी जो चार लाख रुपये प्रति किलो से ऊपर पहुंच गई थी। वहीं सोना 1.82 लाख रुपये प्रति दस ग्राम हो गया था। अब चांदी करीब 2.23 लाख रुपये और सोना 1.42 लाख रुपये प्रति दस ग्राम केआसपास है।

भाव गिरने से सराफा कारोबारियों और निवेशकों में चिंता बढ़ गई है। ऊंचे भाव पर खरीदारी करने वाले लोग अब कीमत बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं। ग्राहक भी भविष्य के भाव को लेकर असमंजस में हैं, इसलिए खरीदारी कम हो गई है। गिरावट के कारण बाजार में कामकाज धीमा हो गया है। लोग शादी-ब्याह जैसी जरूरतों के लिए खरीदी करना चाहते हैं, लेकिन भाव और गिरने की उम्मीद में खरीदारी रोक रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे सोने-चांदी की कीमतें डॉलर की स्थिति, अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक घटनाओं पर निर्भर करेंगी। फिलहाल सराफा बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है।

इंदौर सराफा- सोना केडबरी रवा नकद 141500, सोना आरटीजीएस में 143000, सोना 22 कैरेट 131100 रुपये प्रति दस ग्राम (जीएसटी अतिरिक्त), चांदी चौरसा 222300, चांदी आरटीजीएस 220400, चांदी टंच 222600 रुपये प्रति किलो और चांदी सिक्का 2550 रु. प्रति नग ।

शुल्क मुक्त खाद्य तेलों के आयात से घरेलू रिफाइनिंग उद्योग पर बढ़ा दबाव

इंदौर। नेपाल से शुल्क मुक्त रिफाइंड खाद्य तेलों के लगातार बढ़ते आयात से देश के खाद्य तेल रिफाइनिंग उद्योग की चिंता बढ़ गई है। इससे भारतीय रिफाइनर्स को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और घरेलू उद्योग की प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो रही है। क्रूड और रिफाइंड खाद्य तेलों के आयात शुल्क में अंतर बढ़ने के बाद इंडोनेशिया और मलेशिया से रिफाइंड पामोलीन का आयात कम हुआ था, जिससे भारतीय रिफाइनर्स को राहत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) समझौते के तहत नेपाल से शुल्क मुक्त रिफाइंड खाद्य तेलों के आयात में तेजी आने से यह राहत नहीं मिल सकी। उद्योग का कहना है कि नेपाल में तिलहन उत्पादन बेहद सीमित है और वह अपनी घरेलू जरूरत भी पूरी नहीं कर पाता। इसके बावजूद नेपाल विदेशों से क्रूड पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल आयात कर अपने यहां रिफाइनिंग करता है और फिर तैयार खाद्य तेल भारत को शुल्क मुक्त निर्यात करता है। इससे नेपाल का रिफाइंड तेल भारतीय बाजार में सस्ता पड़ता है, जबकि भारतीय रिफाइनर्स को क्रूड तेल आयात पर सीमा शुल्क चुकाने के कारण अधिक लागत वहन करनी पड़ती है।

मूंग का रकबा 11 प्रतिशत पीछे मगर बिजाई की गति बढ़ने की उम्मीद

इंदौर। मूंग भारत की एकमात्र ऐसी दलहन फसल है जिसके बारे में आत्मनिर्भरता हासिल होने का दावा करती है। वर्ष 2022 से ही देश में मूंग के आयात पर प्रतिबंध लगा हुआ है। समर्थन मूल्य से कम दाम मिलने के बावजूद किसान इसकी खेती से चिपके हुए हैं। वर्तमान खरीफ सीजन में करीब 62 प्रतिशत का लक्ष्यांकित क्षेत्र में मूंग की बिजाई हो चुकी है लेकिन इसका रकबा गत वर्ष से करीब 11 प्रतिशत पीछे चल रहा है। इसके तहत खासकर मप्र, राजस्थान, कर्नाटक एवं महाराष्ट्र में बिजाई घटी है, लेकिन मानसून की सक्रियता बढ़ने से विभिन्न राज्यों में हो रही अच्छी वर्षा के कारण मूंग की बिजाई की गति कुछ तेज होने की उम्मीद की जा रही है। ऐसा लगता है कि सीजन के अंत तक मूंग का कुल रकबा गत वर्ष के स्तर तक पहुंच सकता है। चालू खरीफ सीजन के दौरान 17 जुलाई तक देश में मूंग का कुल उत्पादन क्षेत्र करीब 24 लाख हेक्टेयर से 3 लाख हेक्टेयर कम था। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश सहित कुछ अन्य राज्यों में अच्छी वर्षा हो रही है।

दलहन-इंदौर चना काँटा 6050-6100 विशाल 5900-6000 मसूर 5900-5950 महाराष्ट्र सफेद 7400-7600 महाराष्ट्र लाल 7700-7900 कर्नाटक 8000-8300 निमारी तुवर 6500-7300, मूंग बेस्ट गर्मी 7200-7300 मूंग बेस्ट बोल्ड 7500-7800 मीडियम बोल्ड 7400-7700, मोगर 5500 -6500 ,उड़द बोल्ड 8800-9200 उड़द गर्मी 8200-8800, ग्रेविटी क्लीन 9000-9300 हल्का उरद 4000-6000, काबुली डॉलर 7200-8500 काबुली रशियन 5800 बिटकी 5200-5300 रुपये प्रति क्विंटल।

दालें- चना दाल 7400-7500, मीडियम 7800-7900, बेस्ट 8000-8300, मसूर 7600-7700, बेस्ट 7800-7900, मूंग दाल 8700-8800, बेस्ट 8900-9000 मूंग मोगर 10700-10800, बेस्ट 10900-11000, तुवर दाल 7300-7500, मीडियम 8400-8700, बेस्ट 9800-10100, ए.बेस्ट 10800-11000, ब्रांडेड तुवर दाल 12500, उड़द दाल 10800-10900, बेस्ट 11000-11100, उड़द मोगर 11500-11800 बेस्ट 11900-12200, रुपये प्रति क्विंटल के भाव बोले गए।

इंदौर चावल - बासमती (921) 12000-13000, तिबार 10500-11500, बासमती दुबार पोनिया 9500-10000, मिनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, बासमती सेला 7500-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 9000, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5500, परमल 3400-3500, हंसा सेला 3500-3700, हंसा सफेद 2900-3100, पोहा 4500-5100 रु. क्विंटल।

मसाला उद्योग को बढ़ावा देने की पहल, सियागंज बाजार को मिलेगा लाभ

इंदौर। भारतीय मसाला क्षेत्र में उद्यमिता और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारतीय मसाला बोर्ड और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अधीन भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) के टेक्नोलॉजी बिजनेस इंक्यूबेटर (टीबीआई) के बीच एमओयू किया गया है।

इस पहल से मसाला उत्पादन, बेहतर पैकेजिंग और निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सियागंज किराना बाजार से जुड़े व्यापारियों का कहना है कि इस तरह की योजनाओं से मसाला कारोबार को नई दिशा मिलेगी। सियागंज प्रदेश के बड़े किराना और मसाला व्यापार केंद्रों में शामिल है, जहां बड़ी मात्रा में मसाले और खाद्य उत्पादों का कारोबार होता है। इंदौर के मसाला कारोबारियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर अवसर मिल सकते हैं। भारत दुनिया का प्रमुख मसाला उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक देश है। मसाला बोर्ड और आईआईएसआर की यह साझेदारी मसाला उद्योग को मजबूत करने के साथ इंदौर जैसे व्यापारिक केंद्रों के लिए भी नई संभावनाएं पैदा करेगी।

शकर 4780-4880, गुड़ भैली 4500-4600 कटोरा 4900-5000, लड्डू 5600-5700, खोड़ी 5500-5600, महाराष्ट्र गुड़ ग्लास 5300-5500, रुपये प्रति क्विंटल।

नारियल 120 भरती 2500, 160 भरती 2900, 200 भरती 3100, 250 भरती 3600 रुपये प्रति बोरी। खोपरा गोला बाक्स में 370-410, कट्टे में 355-360 रु. प्रति किलो, खोपरा बूरा 2900-5600 रु. प्रति 15 किलो।

मसाले-कालीमिर्च 740-850, हल्दी निजामाबाद 225-60 हल्दी सांगली 310-20, जीरा 265-310, सौंफ मोटी 110-150, एक्सट्रा बेस्ट 180-300, लौंग चालू 770-780, दालचीनी 250-55, जायफल 725-50 जावत्री 1675-1700,बड़ी इलायची 1450-1550, पत्थरफूल 340-425, बाद्यान फूल 425-655 शाहजीरा 385-890 तेजपान 90-95, नागकेसर 885-950, सौंठ 260, धोली मूसली 1100, हींग 751-3450, पाउच में 10 ग्राम 3550, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3150, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 850-900 हरी इलायची 2700-3050 रुपए ।

राजधानी MAIL

राष्ट्रीय हिन्दी मेल
rashtriyahindimail.com

5 से 8 अगस्त तक जुटेंगे सदस्य देशों के संस्कृति मंत्री

राजधानी बनेगा ब्रिक्स संस्कृति संवाद का केंद्र

भोपाल,आरएनएम। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल अगले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक कूटनीति का महत्वपूर्ण मंच बनने जा रही है। 5 से 8 अगस्त तक आयोजित होने वाले ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन में सदस्य देशों के संस्कृति मंत्री, वरिष्ठ प्रतिनिधि और कलाकार भाग लेंगे। सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक सहयोग, विरासत संरक्षण और रचनात्मक आदान-प्रदान पर मंथन होगा, वहीं विभिन्न देशों के कलाकार अपनी पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विविधता की झलक भी पेश करेंगे। सम्मेलन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार को संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने कमिश्नर कार्यालय में समीक्षा बैठक की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की संचालक प्रियंका चंद्र बैठक से जुड़ीं। बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, स्मार्ट सिटी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंजू कुमार, संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी इला तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि सम्मेलन की प्रत्येक व्यवस्था भारतीय संस्कृति, परंपरा और आतिथ्य की गरिमा के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि आयोजन की सफलता के लिए सूक्ष्म स्तर पर योजना बनाते हुए केंद्र और राज्य सरकार की सभी एजेंसियां आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को उत्कृष्ट अनुभव मिल सके। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार 5 और 6 अगस्त को मिंटो हॉल में ब्रिक्स देशों की तकनीकी समितियों की बैठकें होंगी। 5 अगस्त की शाम प्रतिनिधिमंडल इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का भ्रमण करेगा। 6 अगस्त को रविंद्र भवन में आयोजित ब्रिक्स कल्चरल फेस्टिवल में सदस्य देशों के कलाकार अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। 7 अगस्त को संस्कृति मंत्रियों के भोपाल पहुंचने के बाद उनके ट्राइबल म्यूजियम, वन विहार और राज्य संग्रहालय के भ्रमण का कार्यक्रम निर्धारित है। इसी दिन शाम पांच से सात बजे तक रविंद्र भवन में सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी। सम्मेलन के अंतिम दिन 8 अगस्त को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में संस्कृति मंत्रियों की बैठक होगी, जिसमें सांस्कृतिक सहयोग से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल विश्व धरोहर सांची स्तूप का भ्रमण करेगा।

राजधानी को सार्वजनिक परिवहन की नई सौगात, ई-बसें तीन रूटों पर उतरी

भोपाल,आरएनएम। राजधानी के सार्वजनिक परिवहन में सोमवार से एक नए अध्याय की शुरुआत हो गई। लंबे इंतजार के बाद प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत आधुनिक सुविधाओं से लैस इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हो गया। पहले चरण में भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) ने 10 ई-बसों को तीन प्रमुख रूटों पर यात्रियों के साथ ट्रायल संचालन के लिए उतारा है। इन बसों का उद्देश्य शहरवासियों को प्रदूषण मुक्त, सुरक्षित और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराना है। यात्रियों से परिवहन विभाग द्वारा वर्ष 2022 में स्वीकृत किराया दर के अनुसार ही किराया लिया जाएगा। बीसीएलएल ने भविष्य में ई-बस सेवा के विस्तार के लिए 12 रूट भी चिन्हित किए हैं। ई-बसों के संचालन से पहले पिछले पांच दिनों तक निर्धारित मार्गों पर ड्राय ट्रायल किया गया। इस दौरान बसों की तकनीकी क्षमता, मोड़ों पर संचालन, बस स्टॉप पर रुकने, यात्रियों के चढ़ने-उतरने तथा घाटी वाले मार्गों पर प्रदर्शन का परीक्षण किया गया। सभी परीक्षण सफल रहने के बाद सोमवार सुबह 9 बजे संत हिरदाराम नगर (संतनगर) डिपो से बसों को उनके निर्धारित रूटों पर रवाना किया गया।

इन तीन रूटों पर शुरू हुआ संचालनः बस नंबर B35/B36 : चिरायु हॉस्पिटल-बोर्ड ऑफिस मेट्रो स्टेशन - बैरागढ़ चिचली (28 किमी) यह सबसे लंबा रूट है। बस चिरायु हॉस्पिटल, बैरागढ़, लालघाटी, कलेक्ट्रेट, रॉयल मार्केट, पीरगेट, कमला पार्क, रविंद्र भवन, रंगमहल, रोशनपुरा, नानके पेट्रोल पंप, मेन रोड नंबर-1, रेड क्रॉस हॉस्पिटल, बोर्ड ऑफिस मेट्रो स्टेशन, एमपी नगर मेट्रो स्टेशन, बीजेपी भवन, बिट्टन मार्केट, 1100 क्वार्टर्स हनुमान मंदिर, मनीषा मार्केट, बंसल हॉस्पिटल, चूनाभट्टी चौराहा, कोलार सिक्स लेन रोड, नयापुरा, ललिता नगर, गेहूंखेड़ा होते हुए बैरागढ़ चिचली तक पहुंचेगी। बस नंबर B36 : रेलवे कोच फैक्ट्री (रेलवे प्लेटफॉर्म नंबर-1) - बैरागढ़ चिचली (21 किमी) यह सबसे छोटा रूट है। बस रेलवे कोच फैक्ट्री, द्वारका नगर, रेलवे कॉलोनी, भोपाल रेलवे स्टेशन (प्लेटफॉर्म-1), पुष्पा नगर, अशोका गार्डन, प्रभात चौराहा, सुभाष नगर, शांति निकेतन, आईएसबीटी, चेतक ब्रिज, बोर्ड ऑफिस मेट्रो स्टेशन, एमपी नगर मेट्रो स्टेशन, बीजेपी भवन, बिट्टन मार्केट, 1100 क्वार्टर्स हनुमान मंदिर, मनीषा मार्केट, बंसल हॉस्पिटल, चूनाभट्टी चौराहा, कोलार सिक्स लेन रोड, नयापुरा, ललिता नगर, गेहूंखेड़ा होते हुए बैरागढ़ चिचली तक जाएगी। बस नंबर B35/B36 : चिरायु हॉस्पिटल - बोर्ड ऑफिस मेट्रो स्टेशन - रेलवे कोच फैक्ट्री (26.4 किमी) यह रूट चिरायु हॉस्पिटल, बैरागढ़, लालघाटी, कलेक्ट्रेट, रॉयल मार्केट, पीरगेट, कमला पार्क, रविंद्र भवन, रंगमहल, रोशनपुरा, नानके पेट्रोल पंप, मेन रोड नंबर-1, रेड क्रॉस हॉस्पिटल, बोर्ड ऑफिस मेट्रो स्टेशन, चेतक ब्रिज, आईएसबीटी, शांति निकेतन, सुभाष नगर, प्रभात चौराहा, अशोका गार्डन, पुष्पा नगर, भोपाल रेलवे स्टेशन (प्लेटफॉर्म-1), रेलवे कॉलोनी, द्वारका नगर होते हुए रेलवे कोच फैक्ट्री तक संचालित होगा।

ई-बसों के लिए तय किए गए 12 रूटः बीसीएलएल ने ई-बस सेवा के विस्तार के लिए कुल 12 रूट तय किए हैं। इनमें सूखी सेवनिया-भोजपुर (49 किमी), अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय-आरआरएफ कैंप बगरोदा (50.6 किमी), औद्योगिक क्षेत्र अचारपुरा-बीडीए कॉलोनी (32 किमी), औद्योगिक क्षेत्र अचारपुरा-बिलकिसगंज (41.8 किमी), परवलिया सड़क-औबेदुल्लागंज (56.8 किमी), सीहोर-रतापानी (68.5 किमी), सीहोर-कटारा बायपास तिराहा (53.7 किमी), कोच फैक्ट्री-औबेदुल्लागंज (41.3 किमी), फंदा-मंडीदीप (65.3 किमी), बिलखिरिया-सीहोर (61.5 किमी), फंदा-आईबीडी रॉयल सलैया (40.2 किमी) तथा कोच फैक्ट्री-गोल-जोड़ (28 किमी) शामिल हैं। ई-बसों के संचालन से राजधानी में सार्वजनिक परिवहन को नई गति मिलने के साथ प्रदूषण में कमी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

चूनाभट्टी पुलिस को रहवासियों ने दिया शिकायती आवेदन

पूर्व चीफ सेक्रेटरी एवी सिंह की बहू ने किया हंगामा, शिव मंदिर को लेकर कहे अपशब्द!

भोपाल,आरएनएम। चूनाभट्टी इलाके की आम्रपाली इन्क्लेव कॉलोनी में पूर्व चीफ सेक्रेटरी एवी सिंह की बहू द्वारा निर्माणाधीन शिव मंदिर पर अपशब्द कहने का मामला सामने आया है। आहत रहवासियों ने चूनाभट्टी थाना पुलिस को शिकायती आवेदन दिया है। पुलिस आवेदन की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार आम्रपाली इन्क्लेव के रहवासियों ने परिसर में शिव मंदिर का निर्माण कराया है। निर्माण में रहवासियों ने आर्थिक सहयोग किया है। मंदिर निर्माण का आम्रपाली इन्क्लेव निवासी पूर्व चीफ सेक्रेटरी एवी सिंह की बहू अंजली सिंह उर्फ उजमा रजा ने विरोध किया। 24 जुलाई 2026 दिन शुक्रवार को उन्होंने रहवासियों के सामने मंदिर निर्माण का विरोध करते हुए शिव मंदिर को लेकर अपशब्द कहे। इस दौरान उनके पति धनंजय सिंह उन्हें समझाइश देते हुए नजर आए। पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

रहवासियों ने बताया कि उजमा रजा उर्फ अंजली सिंह आम्रपाली इन्क्लेव में मकान नंबर 58-59-60 में रहती है। अंजली सिंह शादी के पहले उजमा रजा थीं।

विवाह से पूर्व वह मुस्लिम धर्म का पालन करती थीं। सनातन धर्म अपनाने वालों से वह ईर्ष्या करती हैं। रहवासियों ने पुलिस को शिकायती आवेदन देते हुए एक वीडियो भी सौंपा है। वीडियो में वह शिव मंदिर को लेकर अपशब्द कहती हुई नजर आ रही है। रहवासियों ने उनके खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने की धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

बढ़ रही हैं लिवर की बीमारियां

समय पर जांच और स्वस्थ

जीवनशैली ही है सबसे बड़ा बचाव

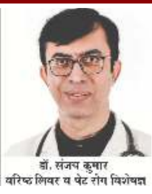
डॉ. संजय कुमार
वरिष्ठ लिवर व पेट रोग विशेषज्ञ

भोपाल,आरएनएम। बदलती जीवनशैली, मोटापा, मधुमेह और शराब के बढ़ते सेवन के कारण लिवर संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, दुनिया भर में हर वर्ष लगभग 20 लाख लोगों की मौत लिवर रोगों से होती है। पहले जहां हेपेटाइटिस बी और सी प्रमुख कारण थे, वहीं अब फैटी लिवर और शराब से होने वाली लिवर की बीमारी सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। विशेषज्ञ बताते हैं कि लिवर की सबसे बड़ी समस्या यह है कि शुरुआती चरण में इसके कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। लिवर में दर्द महसूस नहीं होता, इसलिए बीमारी वर्षों तक चुपचाप बढ़ती रहती है और जब पीलिया, पेट में पानी भरना या बेहोशी जैसे लक्षण सामने आते हैं, तब तक कई मरीज सिरोसिस की गंभीर अवस्था में पहुंच चुके होते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि टाइप-2 डायबिटीज, मोटापा, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, अत्यधिक शराब का सेवन करने वाले तथा हेपेटाइटिस बी या सी के जोखिम वाले लोगों को समय-समय पर लिवर की जांच करानी चाहिए। शुरुआती पहचान के लिए FIB-4 स्कोर, फाइब्रोस्कैन और अल्ट्रासाउंड जैसी जांचें प्रभावी मानी जाती हैं। केवल लिवर फंक्शन टेस्ट (LFT) सामान्य आने से यह नहीं माना जा सकता कि लिवर पूरी तरह स्वस्थ है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि बीमारी का पता शुरुआती चरण में चल जाए तो इसे बढ़ने से रोका जा सकता है। इसके लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, वजन और ब्लड शुगर पर नियंत्रण, शराब से पूरी तरह परहेज तथा हेपेटाइटिस के खिलाफ टीकाकरण बेहद जरूरी है। सप्ताह में कम से कम पांच दिन 45 मिनट कार्डियो और 15 मिनट स्ट्रेंथ एक्सरसाइज करने से फैटी लिवर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि लिवर की बीमारियों को हल्के में न लें। स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, जोखिम होने पर समय पर जांच कराएं और डॉक्टर की सलाह के अनुसार उपचार लें। समय रहते की गई पहचान व सावधानी से सिरोसिस जैसी गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है।

मेकअप आर्टिस्ट से दोस्ती, होटल में दुष्कर्म

भोपाल,आरएनएम। रातीबड़ इलाके में मेकअप आर्टिस्ट से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मेकअप आर्टिस्ट की शिकायत पर पुलिस ने युवक के खिलाफ दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने का प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार 29 साल की मेकअप आर्टिस्ट भोपाल में रहती है। उसने शिकायत करते हुए बताया कि डेटिंग एप पर उसकी दोस्ती रोहित परमार से हुई थी। इसके बाद रोहित परमार से चेटिंग और मोबाइल पर बातचीत होने लगी। रोहित परमार ने उसे गत महीने नीलबड़ के एक होटल में मिलने बुलाया और उसके साथ खाना खाया। खाना खाने के बाद उसने होटल में कमरा बुक किया। वहां शादी का प्रलोभन देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। वह लगातार मोबाइल पर बातचीत करता था और दूसरी बार फिर मिलने के लिए एक अन्य होटल में बुलाया। वहां शारीरिक संबंध बनाए। मेकअप आर्टिस्ट ने उसे शादी करने का कहा तो वह कहने लगा कि मैं शादीशुदा हूं। मेरी पत्नी और मेरा तलाक का केस चल रहा है। तलाक होने के बाद शादी कर लूंगा। बार-बार शादी का कहने पर रोहित परमार ने उसका नंबर ब्लैक लिस्ट में डाल दिया। मेकअप आर्टिस्ट ने किसी तरह उससे संपर्क किया तो वह जान से मारने की धमकी देने लगा और शादी से इंकार कर दिया। परेशान होकर मेकअप आर्टिस्ट ने पुलिस को शिकायत की थी।

बैटरी चुराने वाले चोर को किया गिरफ्तार वारदात में इस्तेमाल ई-रिक्शा भी बरामद

भोपाल,आरएनएम। तलैया पुलिस ने एटीएम में रखी चार इनवर्टर बैट्री चुराने वाले चोर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से चुराई गई इनवर्टर बैट्री और बैट्री चुराकर ले जाने के लिए इस्तेमाल किया गया ई-रिक्शा बरामद किया है। जब्त बैट्री और ई-रिक्शा की कीमत तीन लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार रविवार 26 जुलाई को विकास देवलिया ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि जैन मंदिर रोड मंगलवारा के एसबीआई एटीएम का विजिट करने और पैसे निकालने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान देखा तो एटीएम में रखी चार नग इनवर्टर बैट्री नहीं थी। कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज जांच की। घटनास्थल एवं उसके आसपास के लोगों से पूछताछ की गई। इस दौरान मुखबिर को भी चोरी की घटना से अवगत कराया गया। मुखबिर से सूचना के आधार पर अनीस अली को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। अनीस ने एटीएम से चारों बैट्री चुराने की बात स्वीकार ली। उसने बताया कि बैट्री चुराकर वह ई-रिक्शा में लेकर गया था। इस दौरान उसके साथ एक अन्य साथी था। अब पुलिस उसके साथी की तलाश कर रही है। गिरफ्तार आरोपी अनीस अली पिता अमानत अली (42) हरिजन बस्ती टीलाजमालपुरा का है।

अधिवक्ता की कार का कांच तोड़कर चोरी

भोपाल,आरएनएम। शाहपुरा इलाके की होटल कोर्टयार्ड के सामने कार खड़ी कर ब्रेक फास्ट करने गए वकील की कार का कांच तोड़कर अज्ञात बदमाश बैग चुराकर ले गया। घटना रविवार शाम करीब 7 से 8 बजे के आसपास की है। बैग में एटीएम कार्ड कुछ नगदी और जरूरी दस्तावेज थे। पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 25 साल के गौरवाचित जैन बावड़िया कला में रहते हैं और वकील है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि रविवार शाम करीब सात बजे वह शाहपुरा में होटल कोर्टयार्ड के सामने कार खड़ी करने के बाद ब्रेकफास्ट करने के लिए गए थे। वहां से करीब एक घंटे बाद लौटे तो कार का कांच टूटा हुआ मिला। कार में रखा उनका बैग चोरी हो चुका था। बैग में कुछ नगदी और एटीएम सहित महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। उन्होंने घटना की शिकायत तत्काल शाहपुरा पुलिस थाने पहुंचकर की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सीसीटीवी फुटेज में कार और चोरी करने वाला चोर कैप्चर नहीं हो सका।

विश्वस्तरीय चिकित्सा, अत्याधुनिक तकनीक, अनुभवी विशेषज्ञ एवं 100 बिस्तरों के साथ

गैस्ट्रोकेयर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

में लिवर, पेन्क्रियाज, पित्ताशय, पेट, आँत, हर्निया, एपेंडिक्स, पाइल्स, फिशर, किडनी, कैंसर एवं कैंसर सर्जरी, स्त्री रोग, मूत्र रोग, मधुमेह, हार्मोन संबंधी रोग तथा मोटापे की सर्जरी के उन्नत उपचार की सुविधा उपलब्ध है।

हमारी प्रमुख विशेषज्ञ सुविधाएँ

Advanced Endoscopy Centre
• ESG • POEM • ERCP • EUS
• Capsule Endoscopy
• Double-Balloon Enteroscopy

Ultra-Modern Modular OT with 3D Laparoscopic System
• GI • Gynae • Urology • Cancer Surgery

Hi-Tech Radiology Unit
• CT Scan • Color Doppler • Fluoroscopy

Advanced Pathology Department

GI Physiology Lab
• Advanced Manometry • pHmetry
• H. Pylori Breath Test

मध्यप्रदेश में पहली बार अत्याधुनिक तकनीकें

FibroScan
Echosens Expert 630:
लिवर एवं स्प्लीन की दर्दरहित जाँच • बायोप्सी का Non-invasive विकल्प

SpyGlass System:
पित्त नली की सटीक जाँच एवं उपचार • हाई-डेफिनिशन विज़ुअल डायग्नोसिस

Holmium Laser Technology:
पित्त की नली एवं किडनी की पथरी का ऑपरेशन रहित इलाज

Big Gastrocare Multi Speciality Hospital

E-3/120, 121, अरेरा कॉलोनी भोपाल
फोनः 0755-4055123, 4701444
हेल्पलाइनः 9300 951 215

राजधानी में सायबर ठगी की बढ़ रही वारदात

अधिवक्ता का मोबाइल चोरी, यूपीआई से निकाले 37 हजार

सब्जी खरीदते समय शर्ट की जेब से चोरी हुआ था मोबाइल, सात बार में निकाले रुपए, तीन अन्य वारदातों में लाखों की ठगी

भोपाल,आरएनएम। जहांगीराबाद पुलिस ने एक अधिवक्ता की शिकायत पर सायबर जालसाज के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोपी ने पहले सब्जी खरीदते समय अधिवक्ता का मोबाइल चोरी किया फिर मोबाइल से यूपीआई का इस्तेमाल कर सात बार में रकम निकाल ली। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। राजधानी में सायबर ठगी के तीन अन्य मामले कमला नगर, ऐशबाग और मिसरोद थाना क्षेत्र में आए हैं। तीन अलग-अलग वारदातों को अंजाम देते हुए 4 लाख 87 हजार 688 रुपए की ठगी कर ली। सायबर ठगों ने किसी को शेयर मार्केट में लाभ का प्रलोभन देकर तो किसी को क्यूआर कोड स्कैन करवाकर ठगी की है। जबकि एक प्रकरण में बिजली कनेक्शन काटने का डर दिखाकर लाखों रुपए ठग लिए। तीनों मामलों में संबंधित थानों की पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर साइबर सेल की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जहांगीराबाद पुलिस के अनुसार जेल रोड जहांगीराबाद निवासी अनिल भार्गव (66) जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल में वकालत करते हैं। 18 जुलाई की शाम 8 बजे वह राजपूत मेडिकल स्टोर जहांगीराबाद पर दवा लेने गए थे। वहां उन्होंने मोबाइल से गूगल-पे के माध्यम से 1230 रुपए का भुगतान किया। उसके बाद पास खड़े सब्जी के ठेले से सब्जी खरीदी। उसी समय उनके मोबाइल पर उनके क्लाइंट का कॉल आ गया। स्क्रीन पर देखकर उन्होंने कॉल अटेंड नहीं किया। उन्होंने अपना मोबाइल शर्ट की जेब में रख लिया। तभी किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका मोबाइल चोरी कर लिया। अनिल भार्गव ने मोबाइल चोरी होने की सूचना तत्काल जहांगीराबाद थाने में दी। उसी दिन सिम लॉक भी करवा दी। दो दिन बाद 20 जुलाई को उन्होंने अपने एसबीआई बैंक के खाते का स्टेटमेंट निकलवाया तो पता चला कि उनके अकाउंट से पेटीएम यूपीआई के माध्यम से 18 जुलाई को एक रुपया निकाला और उसके बाद दस-दस हजार रुपए करके तीन बार में कुल 30 हजार रुपए निकाल लिए गए। उक्त राशि किसी वंश राजा नामक के व्यक्ति के खाते में गई है। फिर पांचवीं बार में किसी इब्राहिम अली के अकाउंट में एक हजार व 400 रुपए ट्रांसफर हुए। उसके बाद फिर सातवीं बार में 3200 रुपए, 1200 रुपए व 1600 रुपए लालघाटी 2 एफएल के अकाउंट में पैसे का ट्रांजेक्शन हुआ। इस प्रकार अधिवक्ता के चोरी हुए मोबाइल से यूपीआई के माध्यम से कुल 37 हजार 400 रुपए सायबर जालसाज ने निकाल लिए। तीन अलग-अलग वारदात में लगाया 4.87 लाख का चूना कमला नगर पुलिस ने बताया कि तरुण सिंह को साइबर ठगों ने शेयर बाजार में निवेश पर कम समय में भारी मुनाफा कमाने का झांसा दिया। आरोपियों ने खुद को निवेश विशेषज्ञ बताकर उनसे ऑनलाइन संपर्क किया और अलग-अलग माध्यमों से निवेश कराने के नाम पर 1 लाख 37 हजार रुपए अपने खातों में ट्रांसफर करा लिए। बाद में जब पीड़ित ने रकम वापस लेने की कोशिश की तो आरोपियों ने संपर्क तोड़ दिया। इसके बाद उन्हें अपने साथ ठगी होने का अहसास हुआ। दूसरी घटना में ऐशबाग में रहने वाले वंश शाक्य के मोबाइल पर एक क्यूआर कोड भेजा गया। ठगों ने किसी भुगतान या सत्यापन का बहाना बनाकर उन्हें क्यूआर कोड स्कैन करने के लिए कहा। जैसे ही उन्होंने कोड स्कैन किया, उनके बैंक खाते से 28 हजार 688 रुपए का ट्रांजेक्शन हो गया। बैंक अकाउंट से ट्रांजेक्शन होने का मैसेज मिलते ही पीड़ित ने तत्काल पुलिस से शिकायत की। वहीं, सबसे बड़ी रकम की ठगी का मामला मिसरोद इलाके में सामने आया है। यहां धनंजय चंद्रशेखर के पास बिजली विभाग का कर्मचारी बनकर साइबर ठगों ने कॉल किया। आरोपियों ने कहा कि बिजली बिल का भुगतान नहीं होने के कारण उनका कनेक्शन काट दिया जाएगा। इसके बाद उन्हें एक लिंक और निर्देश भेजकर बैंक संबंधी प्रक्रिया पूरी कराई गई।

स्वामी, प्रकाशक, एमडीवीडी बिजनेस पार्क प्रा.लि. के लिए मुद्रक एवं प्रबंध संपादक पृथ्विजय कुमार दास द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड करोंद भानपुर बायपास रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं हिन्दी मेल भवन, नेशनल प्रेस एरिया, सप्रे मार्ग, लिंक रोड, नं. 3, प्लाट नं. 3, पत्रकार कॉलोनी के पास भोपाल-462003 (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः विजयकुमार दास, कार्यकारी संपादक : अनीता चौबे, स्थानीय संपादक : नौशाद कुरैशी, दूरभाषः 0755-4948144, 2994470, E-mail: lifeindiamedia@gmail.com, (RNI No. 64654/96), समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समूह संपादक : आशीष दुबे